# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

रोहित शर्मा वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे, पाकिस्तानी बल्लेबाज को पछाड़ा -पेज: 7

अलग-अलग इंडस्ट्री में काम करके मुझे एक नया नजरिया मिला : अपूर्वा अरोड़ा -पेज: 8



वर्ष: 01 | अंक: 126 | गुरुवार 14 अगस्त 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए


# धूल चेहरे पर थी और आप आईना साफ करते रहे, राहुल पर भाजपा का तंज, कहा- हर हार के बाद नए बहाने ढूंढती है कांग्रेस

**नई दिल्ली (एजेंसी):** भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के वोट चोरी के दावे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हर हार के बाद कांग्रेस नए बहाने ढूंढती रहती है। उन्होंने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव हारते देख कांग्रेस अन्य विपक्षी दलों के साथ मिलकर झूठे आरोप लगाने में जुट गई है। ठाकुर ने भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर किसी के नेतृत्व में 90 बार चुनाव हारने का रिकॉर्ड है, तो वह राहुल गांधी के नेतृत्व में है। पार्टी के भीतर भी राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठते हैं। अपना हमला जारी रखते हुए ठाकुर ने कहा कि जब वे चुनाव हार जाते हैं, तो कभी ईवीएम पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करते हैं, या वोटर्स पर ठीकरा फोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले कहा कि ईवीएम मशीन के साथ हेराफेरी होती है, ईवीएम बैन करो, बैलेट पेपर लाओ। फिर कहा ईवीएम को रिमोटली हैक किया जा सकता है। फिर कहा वीवीपैट 100

**अनुराग ठाकुर ने कहा कि 1952 से अगर हम शुरूआत करें तो, कांग्रेस और सीपीआई ने मिलकर संविधान निमार्ता, एक संत जैसे नेता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी को चुनाव हरवाया।**

प्रतिशत चेक सुनिश्चित करो। कांग्रेस ने आत्मचिंतन नहीं किया, लेकिन ईवीएम से लेकर संवैधानिक संस्थाओं तक पर आरोप लगाते रही। अब बिहार चुनाव हारता हुआ देख पहले ही विपक्षी दलों के साथ मिलकर झूठे आरोप लगाने में जुटी है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि 1952 से अगर हम शुरूआत करें तो, कांग्रेस और सीपीआई ने मिलकर संविधान निमार्ता, एक संत जैसे नेता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी को चुनाव हरवाया। चुनावी भ्रष्टाचार की नींव कांग्रेस ने पहले चुनाव 1952 में ही रख दी थी। उन्होंने कहा कि आप रिकॉर्ड चेक कीजिए, 74,333 वोट खारिज किए गए जबकि अंबेडकर जी मात्र 14,561 वोट से हारे थे। कांग्रेस ने तो संविधान निमार्ता, एक दलित नेता को पहले चुनाव में ही निपटाने का काम किया। आप कल्पना कीजिए, जिन्होंने संविधान बनाया था, उसी को कांग्रेस परिवार ने चुनाव में धांधली कर हरा दिया। उन्होंने कहा कि अगर आप रिकॉर्ड देखें, तो उन्होंने 74,333 वोट रद्द कर दिए, जबकि वह सिर्फ. 14,561 वोटों से हारे। कांग्रेस ने संविधान निमार्ता के साथ ही धोखाधड़ी की। यह वोट भ्रष्टाचार का एक स्पष्ट उदाहरण है। भाजपा नेता ने कहा कि इस परिवार और पार्टी का शुरू से चलन रहा है कि चुनाव हारते हो तो चुनाव आयोग पर, मतदाताओं पर या चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दो। इंदिरा गांधी ने तो कहा था, मतदाता मूर्खों का टोला हैं। राजीव गांधी जब चुनाव हारे तो उन्होंने बैलेट पेपर पर ठीकरा फोड़ दिया। राहुल गांधी के पिता जी कहते थे कि वोटिंग मशीन से चुनाव करवाओ और राहुल गांधी कहते हैं कि बैलेट पेपेर से चुनाव करवाओ। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि 5 बजे के बाद बहुत वोट बढ़ गए थे। 5 बजे से पहले 58 लाख वोट प्रतिघंटा पड़े थे, और 5 बजे के बाद 32.5 लाख वोट प्रतिघंटा पड़े थे। तो ये स्पष्ट है कि राहुल गांधी के आंकड़े भी झूठे हैं और वो भी झूठे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब कांग्रेस ऐसे वोट चोरी का आरोप लगाती है, तो उसका एक ही एजेंडा साफ नजर आता है...। घुसपैठियां वोट बैंक को बचाना कैसे है। एक वर्ग के वोट बैंक के लिए कैसे लड़ाई लड़नी है। राष्ट्र की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कैसे करना है।

## महाराष्ट्र महायुति में अनबन? कैबिनेट मीटिंग में शिंदे की गैरमौजूदगी ने बढ़ाई सियासी हलचल

**महाराष्ट्र:** उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मंगलवार को महाराष्ट्र कैबिनेट की बैठक में शामिल नहीं हुए, जिससे अटकलें तेज हो गईं कि वह देवेंद्र फडणवीस नीत सरकार से नाराज हैं। शिवसेना नेताओं ने इस मामले को ज्यादा तूल नहीं देते हुए कहा कि शिंदे ने श्रीनगर में अपना प्रवास बढ़ा दिया है, जहां वह पार्टी पदाधिकारी चंद्रहार पाटिल द्वारा रविवार को आयोजित रक्तदान अभियान के लिए गए थे। वहीं विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि महायुति सरकार के भीतर मतभेद के कारण उपमुख्यमंत्री कैबिनेट बैठक में शामिल नहीं हुए। बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर रायगढ़ और नासिक में शिवसेना उम्मीदवारों को दरकिनार कर राकांपा मंत्री अदिति तटकरे और भाजपा मंत्री गिरीश महाजन से राष्ट्रीय ध्वज फहराने के फैसले ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। इसके एक दिन बाद, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और शिवसेना के वरिष्ठ विधायक भरत गोगावाले, जो रायगढ़ के संरक्षक मंत्री पद के लिए पैरवी कर रहे थे, मंगलवार को राज्य कैबिनेट की बैठक में शामिल नहीं हुए, जिससे सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में असंतोष की अटकलों को बल मिला। कैबिनेट की बैठक में शामिल न होने से पहले शिंदे हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बड़े नेताओं से मिलने के लिए तीन बार दिल्ली आए थे। घटनाक्रम से वाकिफ भाजपा नेताओं ने बताया कि नवंबर में महायुति के सत्ता में आने के बाद से शिंदे कम से कम तीन मौकों पर विभिन्न कारणों से सरकारी बैठकों में शामिल नहीं हुए हैं, जबकि शिवसेना प्रमुख के प्रवक्ता ने कहा कि ऐसा सिर्फ.दो बार हुआ है। फरवरी में शिंदे ने मुख्यमंत्री फडणवीस की अध्यक्षता में शहरी विकास विभाग से संबंधित दो बैठकों में हिस्सा नहीं लिया था, जिसका प्रमुख शिवसेना प्रमुख है। उस समय, शिंदे कथित तौर पर कई कारणों से फडणवीस से नाराज थे

## कांग्रेस ने वोट चोरी पर वीडियो जारी किया, चुनाव आयोग को इलेक्शन चोरी आयोग बताया

**नई दिल्ली (एजेंसी):** कांग्रेस ने मतदाता सूचियों में कथित धांधली के खिलाफ अपने अभियान को तेज करते हुए बुधवार को एक वीडियो जारी कर लोगों से इससे जुड़ने की अपील की और चुनाव आयोग को इलेक्शन चोरी आयोग करार दिया। मुख्य विपक्षी दल ने अपने विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से जो एक मिनट का वीडियो जारी है उसमें दिखाया गया कि दो लोग एक मतदान केंद्र से बाहर निकलते हैं और वहां पहुंचे एक बुजुर्ग पुरुष और एक महिला से कहते हैं वे वापस चले जाएं क्योंकि वो उनका वोट पहले ही डाल चुके हैं। इस वीडियो में चुनाव आयोग के लिए इलेक्शन चोरी आयोग लिखा गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक वीडियो

**कर्नाटक में बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख से अधिक मतों की चोरी की गई, जबकि इस संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार को 32 हजार वोटों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा।**

साझा करते हुए ह्यएक्सह्न पर पोस्ट किया, मत छीनने दीजिए अपना वोट का अधिकार, सवाल कीजिए, जवाब मांगिए, इस बार। ह्यवोट चोरी के खिलाफ आवाज उठाइए, संवैधानिक संस्थानों को भाजपा के चंगुल से छुड़ाइए। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने भी यह वीडियो साझा कर लोगों से कांग्रेस के अभियान के साथ जुड़ने की अपील की। पिछले बृहस्पतिवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया था कि कर्नाटक में बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख से अधिक मतों की चोरी की गई, जबकि इस संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार को 32 हजार वोटों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता के दावे को आधारहीन बताया था और कहा था कि वह या तो शपथ पत्र दें या फिर माफी मांगें।

## टैरिफ वॉर के बीच पीएम मोदी जाएंगे अमेरिका; ट्रंप संग होगी अहम वार्ता, पाकिस्तान को देंगे मुंहतोड़ जवाब

**नई दिल्ली (एजेंसी):** भारत-अमेरिका संबंधों में टैरिफ वॉर और पाकिस्तान से आती परमाणु धमकियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने अमेरिका का दौरा करने वाले हैं। यह यात्रा न केवल संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत की आवाज बुलंद करने के लिए अहम होगी, बल्कि व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से तनावपूर्ण रिश्तों को संभालने का भी एक मौका होगी। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी इस मंच से पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर की हालिया परमाणु गीदड़भभकी का कड़ा जवाब भी दे सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा का 80वां सत्र 9 सितंबर से शुरू होगा और उच्च-स्तरीय बहस 23 से 29 सितंबर के बीच चलेगी। प्रस्तावित स्पीकर सूची के अनुसार, पीएम मोदी 26 सितंबर

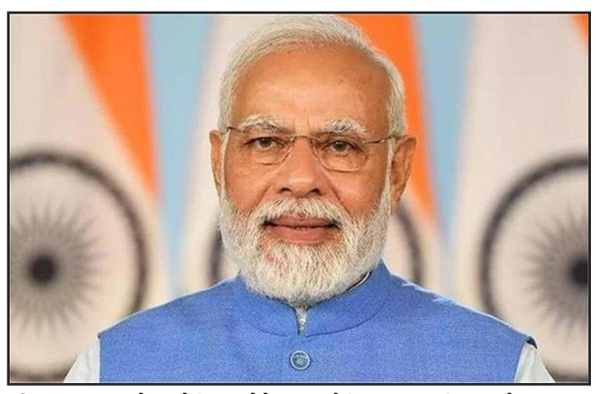

की सुबह सत्र को संबोधित करेंगे। इसी दिन इजराइल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के नेता भी भाषण देंगे। ट्रंप 23 सितंबर को मंच से बोलेंगे, जो उनके दूसरे कार्यकाल का पहला संयुक्त राष्ट्र महासभा संबोधन होगा। इस यात्रा का मुख्य मकसद भारत-अमेरिका व्यापार विवाद को सुलझाना और टैरिफ पर किसी समझौते की संभावना तलाशना है। वर्तमान में अमेरिका ने भारत पर 50% टैरिफ लगाए हैं 125% पहले से लागू हैं और अतिरिक्त 25% जल्द लागू होने वाले हैं। भारत ने इन टैरिफ को अनुचित और अविवेकपूर्ण बताते हुए साफ कहा है कि वह किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। विदेश मंत्रालय ने भी दो टूक कहा कि भारत अपने आर्थिक और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। इस पृष्ठभूमि में, पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर का हालिया अमेरिकी दौरा और वहां से दी गई परमाणु हमले की धमकी ने स्थिति को और संवेदनशील बना दिया है। भारत पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि वह न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा और अपनी सुरक्षा के लिए सभी कदम उठाएगा। पीएम मोदी की यह यात्रा न केवल आर्थिक वार्ता बल्कि सुरक्षा और रणनीतिक मुद्दों पर भी निर्णायक साबित हो सकती है।

## मेरी जान को खतरा है, राहुल गांधी ने पुणे कोर्ट में क्यों डाली अर्जी

**नई दिल्ली (एजेंसी):** कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि कुछ भाजपा सांसदों ने उन्हें धमकी दी है कि 2022 में 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान विनायक दामोदर सावरकर के खिलाफ उनकी टिप्पणी के लिए उनका भी वही हश्र होगा जो उनकी दादी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का हुआ था। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पुणे की एक अदालत को सूचित किया कि उनके हालिया राजनीतिक संघर्षों और उनके खिलाफ मानहानि के मामले में शिकायतकर्ता सत्यकी सावरकर के वंश को देखते हुए उन्हें जान का खतरा है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने मानहानि के एक मामले की सुनवाई कर रही विशेष सांसद/विधायक अदालत से आग्रह किया कि वह उनकी सुरक्षा और मामले की निष्पक्षता को लेकर उनके

द्वारा व्यक्त की गई गंभीर आशंकाओं का न्यायिक संज्ञान ले। नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ सत्यकी सावरकर ने मानहानि का मुकदमा दायर किया था। सत्यकी सावरकर ने मार्च 2023 में लंदन में एक भाषण दिया था जिसमें उन्होंने सावरकर के लेखन में एक घटना का जिक्र किया था जिसमें सावरकर और अन्य लोगों ने कथित तौर पर एक मुस्लिम व्यक्ति पर हमला किया था और इसे "सुखद" पाया था। सत्यकी सावरकर ने सावरकर की प्रकाशित रचनाओं में इस तरह के विवरण के अस्तित्व पर विवाद किया और अदालत का रुख करते हुए तर्क दिया कि ये टिप्पणियाँ झूठी, भ्रामक और मानहानिकारक थीं। उन्होंने गांधी को आईपीसी की धारा 500 के तहत दोषी ठहराए जाने और सीआरपीसी की धारा 357 के तहत मुआवजे की मांग की है। अदालत इस मामले की अगली सुनवाई 10 सितंबर को

## गुजरात के लोग बन रहे हैं बिहार के वोटर, एसआईआर विवाद के बीच भाजपा पर तेजस्वी का बड़ा आरोप

**बिहार (एजेंसी):** राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को आरोप लगाया कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा का एक वरिष्ठ पदाधिकारी अपना मतदाता पंजीकरण कई राज्यों में स्थानांतरित कर रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में, यादव ने दावा किया कि गुजरात निवासी और बिहार भाजपा के प्रदेश संगठन महासचिव भीखू भाई दलसानिया, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के करीबी विश्वासपात्र हैं, ने गुजरात की मतदाता सूची से अपना नाम हटाकर बिहार में मतदाता के रूप में पंजीकरण करा लिया है। तेजस्वी यादव ने लिखा कि यह भीखू भाई दलसानिया जी हैं। वे गुजरात के निवासी हैं। वे बिहार भाजपा के प्रदेश संगठन महासचिव हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के करीबी विश्वासपात्र हैं। उन्हें भाजपा के विशेष बिहार प्रोजेक्ट का काम सौंपा गया है। यादव ने दावा किया कि दलसानिया पहले अमित शाह के गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र में

मतदान करते थे और बिहार चुनाव के बाद किसी अन्य राज्य में पंजीकरण करा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह जी के लोकसभा क्षेत्र गांधीनगर में मतदान किया था। अब, बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही, उन्होंने गुजरात की मतदाता सूची से अपना नाम हटा लिया है और बिहार में मतदाता बन गए हैं। बिहार चुनाव समाप्त होने के बाद, वह संभवतः किसी अन्य राज्य में मतदाता बन जाएँगे। उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि वे पाँच वर्षों में कितनी बार और कितने राज्यों में मतदान करते हैं। यादव के अनुसार, बिहार की मतदाता सूची में दलसानिया का कोई पता या मकान नंबर नहीं है, और उनका नाम हिंदी के बजाय गुजराती भाषा में है, जिससे उनका दावा है कि हिंदी भाषी मतदाताओं के लिए पहचानना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने कहा कि बिहार में जिस जगह वह मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं, वहां मतदाता सूची में उनका कोई पता या मकान नंबर दर्ज नहीं है। बिहार की मतदाता सूची में उनका नाम हिंदी में नहीं, बल्कि गुजराती भाषा में लिखा है, ताकि कोई भी हिंदी भाषी इसे पढ़ न सके। चुनाव आयोग की महानता असीम है, लेकिन इस बार हम हर विवरण पर कड़ी नजर रख रहे हैं। हम बिहार में चुनाव आयोग की वोट चोरी को सफल नहीं होने देंगे। इससे पहले आज, यादव ने आरोप लगाया कि भारत का चुनाव आयोग भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को दो मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर जारी करके बिहार में मतदाता सूची में हेरफेर कर रहा है। पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए यादव ने कहा, "पहले हमने बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा के बारे में बात की थी। अब आप इसे अपराध कहें, गलती कहें या पर्दाफाश, हमने पहले भी कहा था

## भारत मां, महापुरुषों, क्रांतिकारियों और वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता का भाव है तिरंगा यात्रा : सीएम योगी

**लखनऊ (एजेंसी):** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश आजादी के 78 वर्ष पूरे कर रहा है। आजादी के इस अमृतकाल में हर भारतीय के मन में संविधान, राष्ट्रीय प्रतीकों, राष्ट्रीयता, क्रांतिकारियों-महापुरुषों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव और प्रगाढ़ हो। यह हर जन, हर घर तक पहुंचे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हर घर तिरंगा और तिरंगा यात्रा के माध्यम से इसे हम सभी देख रहे हैं। यूपी में भी हर घर तिरंगा, सेल्फी विद तिरंगा से जुड़ रहा है सीएम योगी ने कहा कि तिरंगा यात्रा केवल यात्रा नहीं, बल्कि भारत मां, महापुरुषों, क्रांतिकारियों और वीर सैनिकों के प्रति हमारी कृतज्ञता भी है। हर गांव, नगर, जनपद में तिरंगा यात्रा इसका उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। यूपी में भी हर घर तिरंगा, सेल्फी विद तिरंगा से जुड़ रहे हैं। देश और सैनिकों के सम्मान तथा आन-बान-शान का प्रतीक तिरंगा

हर भारतीय के घर में लहराया जाना चाहिए। आज से हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ योगी आदित्यनाथ ने आज बुधवार को हर घर तिरंगा अभियान (13-15 अगस्त) का शुभारंभ किया। राष्ट्रभक्ति के गीतों की धुनों के बीच मुख्यमंत्री ने तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया, फिर अपने आवास से यात्रा को रवाना किया। सीएम ने युवाओं का अभिनंदन करते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं भी दी। ऑपरेशन सिंदूर पर सीएम योगी ने कहा उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत के शौर्य, पराक्रम, सामर्थ्य और शक्ति को दुनिया ने देखा है। इसे लेकर जब दुनिया अचंभित है तो हर भारतीय का दायित्व बनता है कि भारत का सम्मान ऊंचा बनाए रखें। सीएम योगी ने अपील की कि 140 करोड़ भारतवासी स्वयं के स्वार्थों की तिलांजलि देकर राष्ट्रमाता के चरणों में समर्पित होकर तिरंगा को हर घर पर लगाकर देश की आजादी के इस समारोह में भागीदार बनें। सामाजिक एकता को छिन्न-भिन्न करने का कुत्सित प्रयास करने वालों तथा समाज, क्षेत्र, भाषा, जाति समेत अनेक वादों के नाम पर बांटने वाले तत्वों को बेनकाब करें। विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य सभी के सामने सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिया गया 2047 तक का विराट लक्ष्य विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत सभी के सामने है। उनके संकल्पों के साथ जुड़कर विकसित उत्तर प्रदेश-आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के उनके मार्गदर्शन को अपने जीवन का हिस्सा व मंत्र बनाएंगे।

## संपादकीय

# सड़क पर विरोध

चुनाव आयोग की सत्तारूढ़ दल भाजपा की मिली-भगत को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद मचे घमासान के दरम्यान चुनाव आयोग को चुराओ आयोग कहते हुए विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन परिसर से मार्च निकाला। पुलिस ने उन्हें संसद मार्ग पर ही रोक दिया और हिरासत में ले लिया। लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी व सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत विभिन्न दलों के नेताओं को संसद मार्ग थाने ले जाकर कुछ समय बाद छोड़.दिया गया। गांधी ने कहा कि यह संविधान बचाने की लड़ाई है। एक व्यक्ति-एक वोट की लड़ाई है। पुलिस ने इस हंगामे पर मीड़िया को स्पष्टीकरण दिया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने से बचाने के लिए उन्हें रोका गया। चूंकि चुनाव आयोग ने तीस सांसदों को मिलने आने को कहा था परंतु दो सौ सांसद मार्च करते हुए सड़क पर निकल पड़े.जो हाथों में तख्रियां लहराते हुए नारेबाजी भी कर रहे थे। आरोप है कि इनके साथ पार्टी कार्यकताओं की भीड़.भी थी। भाजपा ने इसे अराजकता की स्थिति पैदा करने की सोची-समझी रणनीति करार दिया। सत्ता पक्ष ने विपक्ष की आलोचना करते हुए, चुनाव आयोग पर हमले बर्दाश्त न करने की भी बात की। महाराष्ट्र चुनाव परिणामों के बाद से विपक्षी दल वोटों में हेरफेर के आरोप लगा रहे हैं। कर्नाटक लोक सभा चुनाव के दरम्यान भी ऐसी ही बात उठी थी। बिहार में ऐन चुनाव से पहले हुई मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण से इस विवाद को और बल मिला। हालांकि सरकार द्वारा संवैधानिक संस्था को बदनाम करने के प्रयास की आलोचना करना भर संदेह के दायरे को बढ़ाता है। लोकतंत्र में विपक्ष के महत्त्व को कमतर नहीं आंका जा सकता। उनके आरोपों का खंड़न करते हुए, संतोषजनक जवाब देना सरकार तथा आयोग का दायित्व है। सदन में हंगामा करना या सड़कों पर विरोध प्रदर्शन अनूठी बात नहीं है। बेशक, गांधी के दावे न्यायिक दावों पर खरे नहीं उतरते या यह सारा विरोध मात्र जनता का ध्यानाकर्षित करना तथा चर्चा में आना है तो इसका भी खुलासा किया जाना जरूरी है। चुनावी दंगल में आरोप-प्रत्यारोपों का यह दांव नया नहीं है मगर किसी संवैधानिक संस्था पर कीचड़.उछालने को भी जायज नहीं कहा जा सकता।

## चिंतन-मनन

# सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकर्षण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं।

कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

**आवश्यकता है**

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

# अखंड भारत स्मृति दिवस : अखंड भारत के मायने विश्व गुरु

सुरेश हिन्दुस्थानी

वर्तमान में जब कहीं से भी देश को तोडने की बात आती है तो स्वाभाविक रूप से उसका प्रतिकार भी जबरदस्त तरीके से होता है। यह प्रतिकार निश्चित रूप से उस राष्ट्रभक्ति का परिचायक है, जो इस भारत देश को देवभूमि भारत के रूप में प्रतिस्थापित करने का प्रमाण प्रस्तुत करने का अतुलनीय सामर्थ्य रखती है। यह आज के समय की बात है, लेकिन हम उस काल खंड का अध्ययन करें, जब भारत के विभाजन हुए। उस समय के भारतीयों के मन में विभाजन का असहनीय दर्द हुआ। जो असहनीय पीड़ा के रूप में उनके जीवन में प्रदर्शित होता रहा और देश को जगाते जगाते वे परलोक गमन कर गए। अभी तक भारत देश के सात विभाजन हो चुके हैं। जरा कल्पना कीजिए कि अगर आज भारत अखंड होता तो वह दुनिया की महाशक्ति होता। उसके पास मानव के रूप में जनशक्ति का प्रवाह होता। लेकिन विदेशी शक्तियों ने भारत के कुछ महत्वाकांक्षी शासकों को प्रलोभन देकर भारत पर एकाधिकार किया और योजना पूर्वक भारत को कमजोर करने का प्रयास किया। आज जिस भारत की तस्वीर हम देखते हैं, वह अंग्रेजों और उन जैसी मानसिकता रखने वाले लालची भारतीयों द्वारा किए गए कुकृत्यों का परिणाम ही है, लेकिन आज भी भारत में एक वर्ग ऐसा भी है, जिनकी आंखों में अखंड भारत का सपना है। उनके मन में अखंड भारत बनाने का संकल्प है। इसी संकल्प के आधार पर वे सभी इस दिशा में सार्थक प्रयास भी कर रहे हैं।

भारत के मनीषी और राष्ट्र के साथ एकात्म भाव रखने वाले महर्षि अरविंद ने विभाजन के असहनीय दर्द को आम जन की दृष्टि से देखने का आध्यात्मिक प्रयास किया। तब उनकी आंखों के सामने अखंड भारत का स्वरूप दिखाई दिया। योगीराज महर्षि अरविंद ने 67 वर्ष पूर्व 1957 में कहा था कि देर कितनी भी हो जाए, पाकिस्तान का विघटन और उसका भारत में विलय होना निश्चित है। राष्ट्र के प्रति इसी प्रकार का एकात्म भाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरुजी के जीवन में भी दृष्टव्य होता रहा। वे अपने शरीर को भारत देश की प्रतिकृति ही मानते थे। जब भी देश पर कोई संकट आता था, तब उनके शरीर में वैसा ही कष्ट होता था। इसलिए कहा जा सकता है कि उनको राष्ट्र की समस्याओं का पूर्व आभास भी होता था। जहां तक अखंड भारत की बात है तो यह मात्र कहने भर के लिए ही नहीं, बल्कि एक शाश्वत विचार है, जो आज भी भारत की हवाओं में गुंजायमान होता रहता है।

विचार करने वाली बात यह भी है कि जब भारत देश के टुकड़े नहीं हुए थे, तब हमारा देश पूरे विश्व में ज्ञान का आलोक प्रवाहित कर रहा था। विश्व का सर्वश्रेष्ठ ज्ञान भारत के संत मनीषियों के पास विद्यमान था। इसलिए भारत के सिद्ध संत केवल भारत के संत न होकर जगद्गुरू के नाम से विख्यात हुए। उनकी दृष्टि में पूरा विश्व एक परिवार की तरह ही था। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि भारत कई बार विभाजित होता रहा और आज जो भारत दिखाई देता है, वह भारत का एक टुकड़ा भर है।

भारत के विभाजन का अध्ययन किया जाए तो हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि यह विभाजन भारत की भूमि के टुकड़े करके ही हुए हैं। जिस भारत को हम माता के स्वरूप में पूजते आए हैं, उसे कम से कम वे लोग तो स्वीकार नहीं कर सकते, जो भारत की भक्ति में लीन हैं। इतिहास का अध्ययन करने से पता चलता है कि महाभारत कालीन गांधार देश यानी आज का अफगानिस्तान वर्ष 1747 में भारत से अलग हो गया। इसी प्रकार 1768 से पूर्व नेपाल भी भारत का अंग ही था। 1907 में भारत से अलग होकर भूटान देश बना। 1947 में पाकिस्तान का निर्माण हुआ। 1948 में श्रीलंका अस्तित्व में आया। इसी प्रकार पाकिस्तान के साथ अलग हुए बांगलादेश 1971 में एक अलग देश के रूप में स्थापित हुआ। जरा विचार कीजिए ये सभी देश आज भारत का हिस्सा होते तो भारत की शक्ति कितनी होती? आज कोई अखंड भारत की बात करता है तो कई लोग इसे असंभव कहने में संकोच नहीं करते। यहां पहली बात तो यह है कि हम किसी देश को छीनने की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपने देश के विभाजित भाग को भारत में मिलाने की ही बात कर रहे हैं। कभी भारत के हिस्से रहे देश को भारत में मिलाने की बात करना असंभव नहीं माना जा सकता। आज धीरे ही सही, लेकिन भारत उस दिशा की ओर प्रवृत हुआ है। जबकि जो देश भारत से अलग हुए हैं, उनमें से अधिकांश देश बहुत बुरे दौर से गुजर रहे हैं। श्रीलंका की स्थिति सबके सामने आ चुकी है। पाकिस्तान भी उसी राह पर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। बांगलादेश में भुखमरी के हालात हैं। अफगानिस्तान खौफ के वातावरण में जी रहा है। सवाल यह उठता है कि इन देशों को भारत से अलग होने के बाद क्या मिला? कुछ नहीं।

वर्तमान में भारत में राष्ट्रीय एकता का भाव भी है तो भारत की संस्कृति का प्रवाह भी। भारतीय संस्कृति सबको जोड? का प्रयास करती है, जबकि अन्य संस्कृति में विश्व बंधुत्व का भाव नहीं है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि भारतीय संस्कृति के माध्यम से पूरे विश्व को एक ऐसी दिशा का बोध कराया जा सकता है, जहां शांति भी है और प्रगति के रास्ते भी हैं। अब इस दिशा में और अधिक तेजी से कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए अब समय अनुकूल है। इसलिए सभी भारतीय नागरिक इस दिशा में आगे आकर उस प्रवाह में शामिल होने का प्रयास करें, जो भारत को अखंड बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अखंड भारत की संकल्पना जहां भारत को ठोस आधार प्रदान करने में सहायक होगा, वहीं यही आधार भारत को पुनः विश्व गुरू के सिंहासन पर आसीन करेगा, यह तय है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

# मुनीर को भड़का कर दुनिया की शांति को खतरे में डाल रहे हैं ट्रंप

संतोष कुमार पाठक

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियाभर के देशों के लिए एक अजीब सी पहेली बनते जा रहे हैं। चीन और रूस जैसे अमेरिका के धुर विरोधियों की बात तो छोड़िए यूरोप और अफ्रीका महाद्वीप के मित्र देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी उन्हें समझ नहीं पा रहे हैं।

एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप शांति के लिए नोबेल पुरस्कार हासिल करने के लिए इस कदर बेचैन है कि आतंकवाद की फैक्ट्री के रूप में मशहूर पाकिस्तान जैसे देशों से अपनी पैरवी करवा रहे हैं। तो वहीं दूसरी तरफ नापाक पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर को भड़का कर दुनिया की शांति को खतरे में भी डाल रहे हैं।

भारत को हर हाल में झुकाने की ऐसी जिद अमेरिकी राष्ट्रपति के सर पर सवार हो गई है कि वो तमाम राजनयिक शिष्टाचार और प्रोटोकॉल को दरकिनार करते हुए सीधे पाकिस्तान आर्मी चीफ से बात कर रहे हैं और इसके लिए उन्हें बार-बार अमेरिका भी बुला रहे हैं। दो महीने के दौरान, पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर ने दो बार अमेरिका जाकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की है। जाहिर है कि दोनों के बीच चल रही बातचीत इतनी गंभीर और खुफिया है कि टेलीफोन पर करने की बजाय ट्रंप आमने-सामने की बात करने के लिए उन्हें सीधे अपने देश ही बुला लेते हैं। जबकि पाकिस्तान में एक निर्वाचित सरकार है, जिसके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हैं। ट्रंप अमेरिका को पाकिस्तान को प्राथमिकता देने वाले पुराने दौर में वापस ले जा रहे हैं जिसका अंजाम अमेरिका को 9/11 के भयानक आतंकवादी हमले के रूप में झेलना पड़ा था। वो इस बात को समझ नहीं पा रहे हैं कि पाकिस्तान का साथ देने का मतलब आतंकवादी संगठनों और आतंकवादियों को ही ताकत देना है। मुनीर ने हाल ही में बीजिंग जाकर चीनी नेताओं से भी मुलाकात की थी। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान भी चीन ने पाकिस्तान को भरोसेमंद साझेदार बताते हुए हर तरह से सहयोग देने की बात कही थी। आपको बता दें कि, पाकिस्तान को मिलने वाले 80 प्रतिशत से ज्यादा हथियार चीन से ही आते हैं। मिसाइल से लेकर परमाणु क्षमता तक, पाकिस्तान की हर कामयाबी के पीछे चीन का ही हाथ माना जाता है।

जाहिर सी बात है कि ऐसे में ट्रंप पाकिस्तान के आर्मी चीफ को बढ़ावा देकर या यूं भी कह सकते हैं कि भड़का कर पाकिस्तानी सेना, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई, आतंकवादी संगठनों और चीन के एक ऐसे गठजोड़ को मजबूती दे रहे हैं जो न केवल भारतीय उपमहाद्वीप बल्कि एशिया सहित पूरी दुनिया की शांति को भंग कर देगा।

भारत ने परमाणु हथियारों के लिए 'नो फर्स्ट यूज' की नीति घोषित कर रखी है वहीं अमेरिका की धरती पर जाकर पाकिस्तान के सेना प्रमुख खुलेआम भारत को परमाणु युद्ध की धमकी दे रहे हैं। भारत के खिलाफ बयान देते-देते मुनीर अब भारत के उद्योगपतियों को भी धमकाने लगे हैं। इस बात में किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए कि व्यापार को अपनी विदेश नीति का अभिन्न अंग बना चुके ट्रंप के इशारे पर ही मुनीर ने मुकेश अंबानी को लेकर भड़काऊ बयान दिया है। सारी हदों को पार करते हुए पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने भारत के सबसे बड़े उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज के सीएमडी मुकेश अंबानी का जिक्र करते कहा कि उन्होंने पहले भी ह्यसूरह फीलह्ल के साथ अंबानी की तस्वीर ट्वीट करवाई थी, ताकि यह दिखाया जा सके कि पाकिस्तान अगली बार क्या करेगा। आपको बता दें कि 'सूरह फील' इस्लामी इतिहास में उस घटना को दर्शाता है, जिसमें अल्लाह ने दुश्मन के हाथियों की फौज पर पक्षियों से पत्थर बरसवाए थे। मुकेश अंबानी भारत के सबसे बड़े उद्योगपति और एशिया के सबसे अमीर कारोबारियों में से एक हैं। अमेरिका में पाकिस्तानी प्रवासी समुदाय को संबोधित करने के दौरान मुकेश अंबानी का नाम और उनकी तस्वीर दिखाकर असीम मुनीर ने ट्रंप के इशारे पर यह बताने की कोशिश की है, कि पाकिस्तान का निशाना सिर्फ सैन्य ठिकाने या इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक प्रतीक और भारत के दिग्गज कारोबारी भी हो सकते हैं।अमेरिका की धरती से ऐसे भड़काऊ बयान देकर असीम मुनीर ये संदेश भी देना चाहते हैं कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पूरा समर्थन हासिल है।

यह अपने आप में किसी विडंबना से कम नहीं है कि एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप शांति के लिए नोबेल पुरस्कार पर दावेदारी जताते हुए दुनिया भर में पांच युद्धों को रोकने एवं सुलझाने का दावा कर रहे हैं, रूस-यूक्रेन लड़ाई को रोकने के लिए 15 अगस्त को पुतिन के साथ बैठक करने जा रहे हैं और दूसरी तरफ पाकिस्तान को भड़का कर दुनिया को विश्व युद्ध की तरफ ढकेल रहे हैं।

# शिक्षा-चिकित्सा को मुनाफाखोरी से बचाने का भागवत-आह्वान

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने इंदौर के एक किफायती कैंसर अस्पताल के उद्घाटन अवसर पर जो बात कही, वह आज की सबसे बड़ी सामाजिक-आर्थिक और नैतिक आवश्यकता को उजागर करती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शिक्षा और चिकित्सा जैसे बुनियादी क्षेत्रों को मुनाफाखोरी से मुक्त होना चाहिए, क्योंकि ये सेवा के क्षेत्र हैं, व्यापार के नहीं। हाल के वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा का जिस तेजी से बाजारीकरण एवं व्यावसायीकरण हुआ है, सरकार के साथ-साथ निजी क्षेत्र ने इसे धन कमाने का जरिया बनाया है, वह न केवल नये समाज निर्माण की चिन्ताओं बल्कि एक दूषित सोच को दर्शाता है। क्योंकि उसने आम आदमी को बदहाली के कगार पर पहुंचाया है। महंगी शिक्षा ने जहां अभिभावकों का बजट हिला दिया है, वहीं चिकित्सा के नाम पर मुनाफाखोरी ने लाखों परिवारों को गरीबी के दलदल में धकेलते हुए जरूरी चिकित्सा से वंचित किया है। इस मर्ज की रग पर हाथ रखते हुए भागवत द्वारा दी गई चेतावनी सत्ताधीशों की आंख खोलने वाली है। भारत में स्वास्थ्य-शिक्षा को प्रारंभ से ही सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही है। लेकिन दुर्भाग्य से आज स्कूल-कॉलेज और अस्पताल लाभ संचालित उपक्रमों में तब्दील हो गए हैं और सेवा की बजाय धन कमाने के अड्डे बन गये हैं। आज निजी क्षेत्र के साथ-साथ सरकारों की मानसिकता भी धन-केन्द्रित होती जा रही है, जिससे आमजन को सस्ते एवं किफायती शिक्षा एवं चिकित्सा के साधन-सुविधाएं सुलभ नहीं हो रही है। मुनाफाखोरी की अंतहीन लिप्सा ने कथित गुणवत्ता वाले स्कूलों व अस्पतालों को आम आदमी की पहुंच से दूर किया है। इन जटिल होती स्थितियों के बीच भागवत का यह बयान केवल एक सामान्य टिप्पणी नहीं, बल्कि एक चेतावनी है-सरकार, नीति-निर्माताओं और समाज के लिए। शिक्षा और स्वास्थ्य, दोनों ही मानव जीवन के मूलभूत स्तंभ हैं। लेकिन आज इन दोनों क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती व्यावसायिक प्रवृत्तियां इन्हें सेवा के बजाय मुनाफे की मशीन बना रही हैं। निजी स्कूलों की भारी फीस, कोचिंग संस्थानों की प्रतिस्पर्धा और महंगे मेडिकल कॉलेजों की ट्यूशन-इन सबने शिक्षा को गरीब और मध्यम वर्ग की पहुंच से दूर कर दिया है। इसी तरह, अस्पतालों और दवा कंपनियों का अत्यधिक मुनाफा-उन्मुख मॉडल स्वास्थ्य को एक महंगे उत्पाद में बदल रहा है।

निस्संदेह, मोहन भागवत की यह चिंता हमारे समय की विसंगतियों एवं विकृत आर्थिक सोच पर तीखा प्रहार करती है। आज आम भारतीय परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का भारी वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि इस खर्च का छोटा हिस्सा ही सरकारी खजाने से वहन किया जाता है, जो कि स्वास्थ्य खर्च का महज 17 फीसदी है। वहीं करीब 82 फीसदी स्वास्थ्य खर्च लोगों को मुश्किल हालात में वहन करना पड़ता है। इन स्थितियों के चलते अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई परिवार जीवन भर के लिये कर्ज में डूब जाते हैं। तो कई परिवार हमेशा के लिये गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। आज देश की बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों, मसलन हृदय रोग, मधुमेह व उच्च रक्तचाप आदि से जूझ रही है। इनकी जांच, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिये मरीजों को एक बड़ी रकम चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। जो कि बीमा योजनाओं के द्वारा बमुश्किल ही पूरी की जाती है। इन विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक स्थितियों के बीच मोहन भागवत का यह संदेश न केवल आर्थिक सुधार का आह्वान है, बल्कि सामाजिक पुनर्जागरण का भी। शिक्षा और चिकित्सा को व्यापार से मुक्त करना सिर्फ भावनात्मक या नैतिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्र की स्थिरता और समानता का प्रश्न है। जब गरीब को इलाज न मिले, और होनहार छात्र को शिक्षा से वंचित रहना पड़े, तब असमानता, असंतोष और सामाजिक अशांति बढ़ती है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया भारत, विकसित भारत, विश्वासभरा भारत का नारा कोरा दिखावा ही प्रतीत होता है।

नये भारत में जब आम जनता से करो के रूप में भारी भरकम रकम वसूली जा रही है, जो उस रकम को जनकल्याण एवं जनसेवा में खर्च किया जाना चाहिए। आजादी के बाद से सरकार पर शिक्षा एवं चिकित्सा की ही जिम्मेदारी डाली गयी थी, जिसको सरकारों ने बड़ी चतुराई से धीरे-धीरे निःशुल्क की बजाय सशुल्क करने की कारगरी दिखाई है, जो जनता के विश्वास को आहत करने वाली है। इसलिये भागवत का यह बयान सरकार के लिए आंख खोलने वाला होना चाहिए। नीति-स्तर पर ऐसे कदम जरूरी हैं जिनसे-सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों को उच्च गुणवत्ता के साथ सशक्त एवं जनसुलभ किया जाए। निजी क्षेत्र में फीस और इलाज की दरों पर प्रभावी नियंत्रण हो। सेवा-भाव को बढ़ाने के लिए कर-छूट और प्रोत्साहन मिलें, जबकि मुनाफाखोरी पर कठोर दंड लागू हो। स्वास्थ्य और शिक्षा में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू किया जाए, इन दोनों क्षेत्रों से धन कमाने की प्रवृत्तियों को अपराध माना चाहिए। यह भी तय किया जाये कि इन दोनों क्षेत्रों में सेवा एवं मिशन भावना से आने वालों को ही मान्य किया जाये, धन कमाने वालों के लिये इन दोनों क्षेत्रों के दरवाजे बन्द हो।

शिक्षा और स्वास्थ्य में मुनाफाखोरी को रोकना केवल कानून से संभव नहीं, इसके लिए समाज में मूल्य-आधारित सोच का विकास भी आवश्यक है। सेवा-भाव, मानवीय संवेदनशीलता और न्यायपूर्ण मूल्याधारित आर्थिक ढांचा-यही स्थायी समाधान हैं। मोहन भागवत की यह पहल यदि नीतिगत बदलावों में परिणत होती है, तो यह भारत को न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी मजबूत बनाएगी। भागवत ने कॉर्पोरेट शैली के कथित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर के जुमले के बजाय लोककल्याण के धार्मिक सिद्धांतों के अनुसरण की भी अपील की। वर्तमान में कॉर्पोरेट जगत ने सीएसआर फण्ड को स्वयं के बनाये ट्रस्टों में दिखाकर सरकार के सीएसआर प्रावधानों की धज्जियां उड़ा रखी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच और दर्शन में शिक्षा और चिकित्सा हमेशा ह्लसेवा और संस्कारह्ल के मूल्यों से जुड़ी रही है। संघ मानता है कि राष्ट्र निर्माण का असली आधार स्वस्थ और शिक्षित नागरिक हैं, और इन दोनों आवश्यकताओं को समाज के हर वर्ग तक सस्ती, सुलभ और समान रूप से पहुंचाना ही सच्ची देशभक्ति है। डॉक्टर को केवल इलाज का शुल्क लेने वाला पेशेवर नहीं, बल्कि रोगी की पीड़ा का साझेदार मानना और शिक्षक को केवल पाठ पढ़ाने वाला कर्मी नहीं, बल्कि जीवन-निमार्ता के रूप में देखना-यही संघ का दृष्टिकोण है। इसी सोच के तहत भागवत का यह आह्वान है कि शिक्षा और स्वास्थ्य को मुनाफाखोरी के पंजे से मुक्त कर, इन्हें सेवा के आदर्श पर स्थापित किया जाए, ताकि कोई भी बच्चा गरीबी के कारण शिक्षा से वंचित न हो और कोई भी रोगी आर्थिक बोझ के कारण इलाज से दूर न रहे। सरस्वती के मंदिर एवं सेवा के आश्रय-स्थल आज व्यापार के केंद्र बन गये हैं, ये मिशन नहीं, व्यवसाय बन गये हैं। पिछले दिनों इससे जुड़ा जनाक्रोश तब चरम पर नजर आया जब हैदराबाद के एक स्कूल में नर्सरी में दाखिले की सालाना फीस ढाई लाख रुपये बतायी गई। जिससे अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त हो गया। जिसके बाद महंगी होती शिक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई। निस्संदेह, बढ़ती फीस के ये आंकड़े शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण एवं बाजारीकरण को भी रेखांकित करते हैं। ऐसे में भागवत की हालिया अपील सत्ताधीशों को नीतिगत बदलावों के बारे में सोचने को विवश कर सकती है, अब समय आ गया है कि सरकार शिक्षा एवं चिकित्सा को लेकर नीतिगत कठोर मानवतापूर्ण बदलाव करें एवं इन्हें मुनाफा कमाने की मशीन न बनने दे। निस्संदेह, भागवत के संदेश पर मोदी सरकार को गंभीरता से विचार-विमर्श करना चाहिए। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बाजार की वस्तु के बजाय नागरिक अधिकारों के दायरे में लाने की जरूरत है। इन क्षेत्रों को राजस्व स्रोत के बजाय नागरिक दायित्वों के रूप में मानकर सरकार समता, संतुलन एवं सेवा का समाज स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

# जन्माष्टमी के अवसर पर बच्चों ने अपनी कला का किया प्रदर्शन

**हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना) जावेद चौधरी:-** चौधरी टी. आर मेमोरियल पब्लिक स्कूल में जन्माष्टमी के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों ने राधा कृष्ण, गोपिया और गवाले बनकर सभी का मन मोह लिया। जन्माष्टमी के अवसर पर बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति की। इसमें सभी बच्चों ने अपनी कला का बहुत ही सुंदर प्रदर्शन किया। विद्यालय में चारों तरफ खुशी का वातावरण रहा। इस अवसर पर विद्यालय में दही हांडी फोड़ने का भी आयोजन किया गया। सीनियर कक्षाओं के छात्रों ने दही हांडी का आयोजन किया। सीनियर कक्षाओं के छात्रों ने दही हांडी फोड़ कर सभी के मन को मंत्र मुग्ध कर दिया। विद्यालय में झूले व पालने को फूलों से सजाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र पाठक, प्रबंधक इंद्रेश देवी ने बच्चों को झूले में बिठाकर उन पर फूलों की वर्षा की और दही व मक्खन खिलाकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

# 01 जुलाई 2025 से 30 सितम्बर 2025 तक चलाया जा रहा राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान

**अमरोहा (सब का सपना):-** अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद अमरोहा ज्योति चौधरी ने जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा, नई दिल्ली तथा मीडियेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार जनपद अमरोहा में दिनांक 01 जुलाई 2025 से 30 सितम्बर 2025 तक राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान चलाया जा रहा है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा द्वारा उक्त अभियान का उद्देश्य बताया गया कि मध्यस्थता के माध्यम से न्यायालय में लम्बित प्रकरणों का निस्तारण करा सकते हैं। अभियान के अन्तर्गत निम्नलिखित श्रेणियों के मामलों को मध्यस्थता हेतु संदर्भित किया जा सकता है:- वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावें, घरेलू हिंसा, चैक वांउस के वाद, वाणिज्यिक विवाद, सेवा विवाद, शमनीय आपराधिक वाद, ऋण वसूली के वाद, संपत्ति के बटवारे से संबंधित वाद, बेदखली से संबंधित वाद, भूमि अधिग्रहण के वाद, दिवानी वाद, उपभोक्ता से संबंधित वादों का समझौते के आधार पर निस्तारण करा सकते हैं।

# छिददा सिंह मेमोरियल इंटर कॉलेज ढवारसी से वृन्दावन धाम कालोनी तक किया गया तिरंगा यात्रा का आयोजन

**ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):-** भारतीय जनता पार्टी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य मे चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान को लेकर आदमपुर मंडल में छिददा सिंह मेमोरियल इंटर कॉलेज ढवारसी से वृन्दावन धाम कालोनी तक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भाजपा कार्यकर्ता छिददासिंह मेमोरियल इंटर कॉलेज ढवारसी पहुंचे । तिरंगा यात्रा का विधायक प्रतिनिधि एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य देवेंद्र खड़गवंशी एवं ब्लाक प्रमुख हसनपुर ममता गुर्जर ने विधान सभा संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा की मौजूदगी में यात्रा का शुभारंभ किया। यात्रा विद्यालय से शुरू होकर नगर के बस स्टैंड, पुलिस चौकी, मेन मार्केट से होकर वृन्दावन धाम कालोनी पर जाकर समाप्त हुई। इस अवसर पर उपस्थित विधायक प्रतिनिधि एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य देवेंद्र खड़गवंशी ने उपस्थित कार्यकताओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि पूरे देश में भाजपा कार्यकर्ता स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्र धर्म का पालन करते हुए तिरंगा यात्रा निकालकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके त्याग एवं बलिदान को कृतज्ञ भाव से नमन कर रहे हैं। इस अवसर पर उपस्थित ब्लाक प्रमुख हसनपुर ममता गुर्जर ने उपस्थित कार्यकताओं एवं विद्यालय के छात्र छात्राओं को प्रति दिन कोई एक राष्ट्र हित एवं समाजहित का कार्य करते हुए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के संकल्प को पूरा करने में मदद करने की अपील की। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजीव गोयल मंडल प्रभारी सुधीर चौहान, जिलाध्यक्ष भारतीय किसान संघ चंद्र प्रकाश शर्मा, विधान सभा सह संयोजक रुमाल सिंह, हरद्वारी खड़गवंशी, विनय शर्मा, जय प्रकाश शर्मा, चंद्रपाल सैनी, मनोज त्यागी, शीशराम जाटव एवं भारी संख्या में कार्यकर्ता एवं विद्यालय के छात्र, छात्राएंआदि मौजूद रहे।

# साईबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में विद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं को साईबर फ्रॉड से बचने के लिए बताए गए बचाव के उपाय

**अमरोहा (सब का सपना):-** पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा राणा इंटरनेशनल स्कूल, अमरोहा देहात में आयोजित साईबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में विद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं को साईबर अपराधों के प्रकार, उनके दुष्प्रभाव तथा उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तृत एवं व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में साईबर अपराधों के स्वरूप लगातार बदल रहे हैं, जिसमें फिशिंग, व्हाट्सएप हैकिंग, फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल, ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड, बैंकिंग/क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, ओटीपी फ्रॉड, रिमोट एक्सेस ऐप के माध्यम से ठगी, लॉटरी/गिफ्ट स्कैम, ई-कॉमर्स धोखाधड़ी, और ईमेल हैकिंग जैसे अपराध प्रमुख हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए कहा कि सोशल मीडिया ऐप्स का उपयोग करते समय अपनी व्यक्तिगत जानकारी, बैंक विवरण, पासवर्ड, फोटो या लोकेशन किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और अनजान कॉल अथवा ईमेल पर भरोसा न करें। कार्यक्रम में वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से यह समझाया गया कि साईबर अपराधी किस प्रकार तकनीकी और मनोवैज्ञानिक तरीकों से लोगों को जाल में फंसाते हैं। साथ ही, किसी भी प्रकार की साईबर ठगी, आपत्तिजनक सामग्री, ब्लैकमेलिंग या हैकिंग से संबंधित घटना की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय साईबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करने या www.cybercrime.gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की गई, ताकि त्वरित और प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम के अंत में छात्रों से प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने साईबर सुरक्षा से जुड़े अपने सवाल पूछे और पुलिस अधीक्षक ने उनका समाधान किया।

# थाने से महज दो कदम की दूरी पर दो पक्षों में जमकर चले लात-घूसे

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:-** मंगलवार की देर रात्रि में दो पक्षों में किसी बात को लेकर गजरौला थाने के गेट पर ही जमकर लात घूसें चल गये। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ लिया है। और मामले की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी अनुसार पता चला कि थाना क्षेत्र के एक गांव में पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया था। जिसके बाद दोनों पक्ष अपनी शिकायत लेकर गजरौला थाने आये थे। रात्रि करीब नो बजे दोनों पक्षों के बीच थाने से चंद कदम की दूरी पर लात घूसें चल पड़े। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को पकड़ लिया और मामले की जांच कर शुरू कर दी। वहीं थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुये बताया कि दोनों आरोपियों का शांति भंग में चालान कर दिया गया है और पुलिस अन्य आरोपियों की तालाश कर रही है।

# हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत एक भव्य तिरंगा पदयात्रा का किया गया आयोजन

**हसनपुर/ अमरोहा (सब का सपना) जावेद चौधरी:-** 79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर, "हर घर तिरंगा" अभियान के अंतर्गत एक भव्य तिरंगा पदयात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा शहीद स्मारक ब्लॉक परिसर से शुरू होकर पूरे शहर में देशभक्ति का अलख जगाती हुई आगे बढ़ी। सबसे पहले, पदयात्रा भगत सिंह पार्क पहुंची, जहाँ महान शहीद भगत सिंह और डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्तियों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद, यात्रा मुख्य बाजार से गुजरते हुए आगे बढ़ी, जहाँ व्यापारियों ने दिल खोलकर पुष्प वर्षा की और तिरंगा यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया। शहर के हर कोने में भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे गूंज रहे थे, जिससे पूरा माहौल देशभक्ति के रंग में सराबोर हो गया। यात्रा का समापन महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ, जहाँ देश के इन महान सपूतों को याद कर उन्हें नमन किया गया। इस गौरवशाली अवसर पर, समाज के विभिन्न वर्गों से हजारों की संख्या में देश भक्त, व्यापारी वर्ग और भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता शामिल हुए।

# गजरौला हाईवे 9 पर रोडवेज व टैंपो की भिड़ंत, टैंपो पलटा

### हादसे में टैंपो सवार करीब आधा दर्जन से अधिक लोग घायल

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** नेशनल हाईवे 9 पर रोडवेज बस और एक टेंपो की टक्कर हो गई, जिसमें टेंपो सवार करीब आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। जिन्हें वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने आनन फानन निजी एंबुलेंस की मदद से निकट के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। जहां उनका उपचार जारी है। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे 9 स्थित ख्यालीपुर ढाल के निकट है, जहां पर एक टैंपो व रोडवेज बस की आपस में भिड़ंत हो गई जिसमें टेंपो सवार करीब आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। इस हादसे में गनिमत रही कि किसी व्यक्ति को कोई गंभीर चोट नहीं आई। हादसे के बाद वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने घायल लोगों को निजी एंबुलेंस की मदद से निकट के अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनका उपचार जारी है। वहीं इस हादसे में घायल रिंकू पुत्र पतराम निवासी ग्राम कूदैना चक थाना गजरौला ने जानकारी देते हुए बताया कि मैं टेंपो में सवार होकर गजरौला से अपने गांव घर जा रहा था जैसे ही हमारा टेंपो ख्यालीपुर ढाल के निकट पहुंचा तो रोडवेज और टेंपो की अचानक भिड़ंत हो गई ,जिसमें हमारा टेंपो पलट गया और हम सभी टेंपो सवार लोग इस हादसे में घायल हो गए।

# प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर के बच्चों ने निकाली तिरंगा रैली

**गंगेश्वरी/ अमरोहा (सब का सपना):-** प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर के बच्चों और शिक्षकों ने मिलकर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत एक तिरंगा रैली का आयोजन किया। यह रैली गांव की गलियों से गुजरी और देशभक्ति का संदेश दिया। बच्चे अपने हाथों में तिरंगा लिए भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे लगा रहे थे, जिससे गांव का माहौल पूरी तरह से देशभक्ति के रंग में रंग गया। इस मौके पर प्रधानाध्यापक एवं उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य बच्चों के मन में देश प्रेम की भावना को जागृत करना है। उन्होंने बताया कि यह सिर्फ एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि देश के प्रति सम्मान और एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारे गौरव और आजादी का प्रतीक है, और हमें इसका सम्मान करना चाहिए। रैली का मुख्य उद्देश्य बच्चों को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास से जोड़ना और उन्हें शहीदों के बलिदान से अवगत कराना था। रामवीर सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग को कभी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने बच्चों और उनके अभिभावकों से अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की। रैली में अन्य शिक्षक और गांव के लोग भी शामिल हुए, जिन्होंने बच्चों का उत्साह बढ़ाया और इस पहल की सराहना की। यह आयोजन न केवल बच्चों में देशभक्ति की भावना को मजबूत करेगा, बल्कि उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए भी प्रेरित करेगा। इस अवसर पर ग्राम प्रधान राजकुमार, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष इन्द्र सिंह, वरिष्ठ संकुल शिक्षक संजय सिंह, अमित कुमार, संतराम सिंह, राशिद अली, रेनू कंसल आदि मौजूद रहे।

# पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी के नेतृत्व में अमरोहा नगर क्षेत्र में किया गयाभव्य तिरंगा यात्रा रैली का आयोजन

### तिरंगा यात्रा रैली में अलग अलग स्कूलों के छात्र-छात्राएं, जनप्रतिनिधियों, पुलिसकर्मियों व नागरिकों ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

**अमरोहा (सब का सपना):-** 79वें स्वतंत्रता दिवस के परिप्रेक्ष्य में "हर घर तिरंगा अभियान 2025" के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद एवं जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के नेतृत्व में नागरिकों में देशभक्ति की भावना को जागृत करने एवं राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के प्रति सम्मान जाग्रत करने के उद्देश्य से अमरोहा नगर क्षेत्र में भव्य तिरंगा यात्रा रैली का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा रैल पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में गांधी मूर्ति मैदान से शुरू होकर बिजली घर चौराहा, नगर पालिका, कोट चौराहा, अनार की जारत, मो0 कटरा, मौ0 गूजरी, कोतवाली नगर को होते हुए हिंदू कॉलिज के रामलीला मैदान तक निकाली गई। तिरंगा यात्रा रैली में भारी संख्या में विभिन्न स्कूल के बच्चों, सेवानिवृत्त सैनिक, NCC कैडेट्स, स्काउट गाइड्स, जनप्रतिनिधि और प्रबुद्धजन एवं पुलिसकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया गया व हाथों में तिरंगा थामकर फ्लैग मार्च किया, जिसके दौरान देशभक्ति गीतों की मधुर स्वर लहरियों ने माहौल को देशप्रेम से सराबोर कर दिया। सभी ने एकजुट होकर "जय हिंद" और "वंदे मातरम" के गगनभेदी नारों के साथ एकता, अखंडता और देशप्रेम का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा के दौरान बज रहे देशभक्ति गीतों और नारों ने आसपास के क्षेत्र को राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग दिया। इस आयोजन ने आमजन में राष्ट्रीय गौरव और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। "हर घर तिरंगा अभियान 2025" का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में देशभक्ति की भावना को प्रबल करना और राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना है। इस अभियान के तहत जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें तिरंगा यात्रा और फ्लैग मार्च प्रमुख हैं। पुलिस अधीक्षक ने इस अवसर पर कहा कि तिरंगा हमारी एकता और अखंडता का प्रतीक है। इस अभियान के माध्यम से हम न केवल स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को और भव्य बनाना चाहते हैं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रप्रेम की भावना से जोड़ना चाहते हैं।*

# इन्वेस्टर्स मीट-2025 में 249 करोड़ के एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिले में मंगलवार देर शाम इन्वेस्टर्स मीट-2025 का आयोजन श्री वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी में किया गया। आयोजित इनवेस्टर्स मीट-2025 का शुभारंभ जिलाधिकारी श्रीमती निधि गुप्ता वत्स और एसपी अमित कुमार आनंद द्वारा किया गया। इस अवसर पर सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र, एडीएम (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप सिंह, उपायुक्त उद्योग शैलेंद्र कुमार सिंह, कुलपति डा.कृष्णकांत दवे, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, इन्वेस्ट यूपी से आईं यशी चौहान आदि के साथ ही एमओयू पर हस्ताक्षर करने वाले प्रियांक गर्ग, अनिल कुमार जैन आदि उपस्थित रहे। इन्वेस्टर मीट में पांच उद्योगपतियों ने 249 करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर किए। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं उपायुक्त उद्योग ने इन्हें एमओयू सौंपे। इससे पूर्व डीएम एवं एसपी के साथ ही आमंत्रित अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर उनका अभिनन्दन किया

गया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि इस मीट का मुख्य उद्देश्य जनपद में निवेश सम्भावनाओं को उजागर करना, औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को प्रोत्साहित करना तथा निवेशकों एवं अधिकारियों के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है। प्रदेश सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को 01 ट्रिलियन डॉलर अर्थ व्यवस्था बनाना है और यह आयोजन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने सभी इन्वेस्टर को बधाई देते हुए कहा कि बड़ी खुशी की बात है कि विगत कुछ सालों से अमरोहा में काफी निवेशक इन्वेस्ट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश रहती है कि किसी भी इन्वेस्टर को कोई दिक्कत ना आए। अगर जरूरत पड़ती है तो हम उनकी समस्या को लेकर शासन से भी बात करते हैं। उन्होंने सभी को आश्वस्त करते हो कहा कि जिला प्रशासन आपके सहयोग के लिए हमेशा साथ है। और हमारी पूरी टीम आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आपको निवेश करते समय आने वाली परेशानियों का त्वरित निदान किया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि जब इस तरह का दोबारा इन्वेस्टर मीट होगा तो और ज्यादा एमओयू

साइन होंगे। उन्होंने कहा कि अमरोहा भविष्य है और आने वाले समय में अमरोहा इंडस्ट्रियल टाउन बनेगा। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा कि देश की प्रगति में उद्योगों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि यहां हुए एमओयू जब धरातल पर उतरेंगे, तो इससे जनपद में हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा और जनपद विकास की दिशा में आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश में उद्यम स्थापित करना अब बहुत आसान हो गया है। इसके लिए उन्होंने सिंगल विंडो सिस्टम का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि यहां आकर बहुत अच्छा लगा और कहा कि जनपद में प्रतिभा और विविधता की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और पुलिस का सहयोग निवेशकों के लिए हमेशा उपलब्ध रहेगा। उन्होंने आमजन के साथ ही सभी उद्यमियों को पूर्ण सुरक्षा का भरोसा दिलाया। जनपद में संगम मेडिसर्व प्राइवेट लिमिटेड के हरिओम शरण द्वेदी ने 40 करोड़, श्री बाहुबली फ्लोर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के अनिल कुमार जैन ने 33 करोड़, वेजमोर स्नेक्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रियांक गर्ग ने 125 करोड़, तीर्थांकर टेक्सटाइल एक्सपोर्ट एलएलपी के समिश जैन ने 41 करोड़ एवं प्रेम एंड विक्रम के प्रेम सिंह ने 10 करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। कार्यक्रम में मौजूद निवेशकों ने डीएम निधि गुप्ता वत्स की कार्यशैली की काफी प्रसंसा की। कहा कि उनके व्यवहार एवं कार्य करने के तरीके से वे काफी प्रभावित हैं। कार्यक्रम के दौरान वहां मौजूद उद्यमियों ने अपने-अपने अनुभव भी साझा किए और कुछ इन्वेस्टर्स ने अपनी समस्याएं भी रखीं। कार्यक्रम के अंत में श्री वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी के प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी ने जनपद के विकास के लिए अधिकारियों के साथ ही यहां आने वाले उद्यमियों का आभार व्यक्त किया। इन्वेस्टर्स मीट 2025 का संचालन श्री वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी के डा. मनीष ने किया। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी, जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन के मेडिकल हेड डा. सुजिंदर फोगाट, रूपेश गुप्ता सहित संबंधित मौजूद रहे।

## संक्षिप्त डायरी

### विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस आज, होंगे विविध कार्यक्रम

**संवाददाता**

**कुशीनगर।** देश का विभाजन कैसे हमारे लिए विभीषिका बनी, इसे याद करने और भारत की वर्तमान और भावी पीढ़ियों को विभाजन के दौरान लोगों द्वारा सही गई यातना और वेदना का स्मरण दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2021 में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में घोषित किया था। भारतीय जनता पार्टी द्वारा हर वर्ष देश बंटवारे के दर्द को याद करते हुए विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस मनाया जाता है। इस बार भी 14 अगस्त को भाजपा द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उक्त जानकारी जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय के हवाले से जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द ने दी।मीडिया प्रभारी ने बताया कि विभाजन विभिषिका दिवस पर गुरुवार दिनांक 14 अगस्त को सुबह 11:00 बजे रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय में विभाजन विभिषिका दिवस पर संगोष्ठी दोपहर 1:00 बजे रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय से चन्द्रशेखर आजाद चौक तक मौन जुलूस और अपराह्न 02 बजे हनुमान इण्टर कालेज पडरौना में प्रदर्शनी लगाई जाएगी। सभी कार्यक्रमों में बतौर मुख्य अतिथि किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह होंगे। जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने सांसद,विधायक,जिला पंचायत अध्यक्ष,पूर्व जिलाध्यक्ष,पूर्व विधायक,ब्लाक प्रमुख, प्रतिनिधि नगर पालिका व नगर पंचायत अध्यक्ष,भाजपा जिला पदाधिकारी, विभाग प्रकोष्ठ तथा मोर्चों के जिला पदाधिकारी,मण्डल प्रभारी, मण्डल अध्यक्ष,तिरंगा अभियान के जिला संयोजक सह संयोजक, वरिष्ठ नेता एवं आईटी सेल, सोशल मीडिया जिला संयोजक व सहसंयोजक गण से कार्यक्रम में उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

### नई दिशाः बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित कर हुआ पौधरोपण

**संवाददाता**

**कुशीनगर।** नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा पढ़ेगा कुशीनगर, बढ़ेगा कुशीनगर की भावना के साथ जन सहयोग से चलाये जा रहे शिक्षण सामग्री वितरण कार्यक्रम के क्रम में कसया विकास खण्ड स्थित प्राथमिक विद्यालय हतवाँ में वरिष्ठ होमियोपैथिक चिकित्सक डा0 नित्यानन्द श्रीवास्तव के जन्मदिन पर विद्यार्थियों को कॉपी, पेंसिल, रबर, कटर आदि शिक्षण सामग्री भेंट कर पढ़ने व आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित किया गया और पौधरोपण भी हुआ। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य डॉ0 दयाशंकर तिवारी ने कहा कि नयी दिशा द्वारा बिना किसी सरकारी अनुदान के पूर्णतः जन सहयोग से पौधरोपण, शिक्षण सामग्री वितरण आदि कार्य किया जाता है। इसकी जितनी सराहना की जाय कम है। बधाई व शुभकामनाओं से अभिभूत डॉ0 नित्यानन्द श्रीवास्तव ने सभी का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र ने किया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका मीना सिंह, डा0 ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव, डा0 संदीप विश्वकर्मा, ममता कश्यप, इंद्र कुमार मिश्र, विनोद गुप्ता, सुरेंद्र सिंह, अजय कुमार, परमहंस सिंह, लखपाती देवी, किशोरी देवी, इन्द्रासन, बबिता श्रीवास्तव, प्रियंका कुशवाहा, अनिल प्रसाद, राजेन्द्र लाल श्रीवास्तव, सच्चिदानंद श्रीवास्तव, भोला नाथ मिश्र, वीरेंद्र मिश्र, अनिल कुमार, संदीप कुमार, मुस्ताक, रितेश कुमार, शिवम दुबे उपस्थित रहे।

### भाकियू टिकैत ने ट्रेक्टर तिरंगा यात्रा निकाल कर सौपा ज्ञापन

**गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):-** भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकताओं ने मंगलवार को धूमधाम से ट्रेक्टर तिरंगा यात्रा निकाल कर थाना प्रभारी सुमित तोमर को किसान व मजदूर से जुड़ी समस्याओं का ज्ञापन दिया गया। सिम्भावली ब्लॉक अध्यक्ष मुनव्वर अली के तत्वाधान में ट्रेक्टर तिरंगा यात्रा निकाली गई। ट्रेक्टर तिरंगा यात्रा के दौरान भाकियू टिकैत के जिला प्रवक्ता ने कहा कि पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी ट्रेक्टर तिरंगा यात्रा धूमधाम के साथ सिम्भावली क्षेत्र समेत आसपास मुख्य मार्गों पर निकाली गई है। जिला संरक्षण पीके वर्मा ने बताया है कि ट्रेक्टर तिरंगा यात्रा प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के आह्वान पर जनपद के चारों ब्लॉक में बड़े ही धूमधाम के साथ सैकड़ों ट्रेक्टर के साथ ट्रेक्टर तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान तहसील अध्यक्ष गढ़ श्याम सुंदर त्यागी, जिला कार्यकारणी सदस्य यामीन मलिक, मेरठ मंडल संगठन मंत्री महिपाल सिंह उर्फ गुजराल, नफीस अहमद, शुभम सांगवान, प्रदीप चौधरी, फैजान अब्बासी, जिला महासचिव चौधरी कैप्टन राजेश चौधरी, शाहिद खां, नोशाद अल्वी, फैजान अब्बासी समेत जनपद, तहसील, ब्लॉक ग्राम स्तरीय पदाधिकारी व किसान मौजूद ।

### उत्तराखंड आपदा से घर लौटा अदनान, संभल के दो युवक अब भी लापता

**सरायतरीन।** उत्तराखंड के धराली में वेल्डिंग का काम करने गए तीन दोस्तों में से अदनान तो मौत के मुंह से निकल आया, लेकिन उसके दोनों साथी फुरकान और सलमान अब भी लापता हैं। अदनान जब अपने घर लौटा तो पूरे गांव में उसे देखने वालों का तांता लग गया, लेकिन उसकी आंखों में अब भी उस दिन का डर तैर रहा है। एक ऐसा मंजर जिसे वह कभी भूल नहीं पाएगा। वह अभी सदमे में है। नखासा थाना क्षेत्र के गांव रुकनुद्दीन सराय निवासी अदनान धराली में आई आपदा के दौरान मलबे में दब गया था। राहत टीम ने उसे निकाआ और उत्तरकाशी स्थित शिविर में इलाज कराया। छह दिन बाद वह अपने घर लौटा तो स्वजन ने राहत की सांस ली। बातचीत करते हुए डरे सहमे अदनान ने बताया कि पांच अगस्त की दोपहर थी मैं घटना स्थल से करीब दो किलोमीटर दूर अपने कमरे में बैठा था। खाना खा रहा था। मेरे साथी सलमान और फुरकान सामान लेने नीचे मार्केट गए थे। सब कुछ सामान्य था, लेकिन अचानक मौसम का मिजाज बदला। उत्तराखंड के धराली में बादल फटने से मचा था कहर आसमान में काले बादल घिर आए और कुछ ही पलों में अजीब-सी सीटी जैसी आवाज सुनाई देने लगी। बातचीत के दौरान वह थोड़ी देर के लिए रुकता है, जैसे मन में उस आवाज को फिर सुन रहा हो। मंजर को याद करते हुए आगे उसने बताया कि फिर चारों तरफ शोर मच गया। लोगों की चीख-पुकार, बहते पानी और टूटते ढांचों की आवाजें... मैं भी नीचे भागा, अपने साथियों को ढूंढने। यह कहते हुए अदनान का गला भर आया। बताया कि जैसे ही मैं नीचे पहुंचा, मेरा पैर फिसला। फिर मुझे कुछ याद नहीं। जब आंख खुली, तो मैं मलबे में दबा था। सांस लेना मुश्किल था। बस धुंधला-धुंधला दिख रहा था। तभी किसी ने मेरा हाथ पकड़ा। बाद में पता चला कि राहत टीम थी, जिसने मुझे खींचकर बाहर निकाला। अदनान ने दी जानकारी धुंधली आंखों से मुझे सब मैदान सा दिखाई देने लगा। फिर मुझे हेलीकाप्टर से उत्तरकाशी ले जाया गया। वहां एक शिविर में मेरा इलाज हुआ।

### दो दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण शिविर का किया गया समापन

**संभल (सब का सपना):-** राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र संभल द्वारा ग्राम बनिया खेड़ा में चल रहे मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत चल रहे दो दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण शिविर का समापन ब्लॉक मिशन मैनेजर बबलू सिंह एवं केंद्र प्रभारी नौसिंह एवं गांव प्रधान द्वारा लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण कर किया गया तथा प्रशिक्षण के दौरान पिंकी सिंह विषय वस्तु विशेषज्ञ उद्यमी रिति का फूड्स एवं प्रशिक्षण केंद्र के द्वारा विभिन्न प्रकार के अचार मसाले की जानकारी दी गई तथा मिर्च का अचार बनाकर दिखाया गया तथा विशेषज्ञ गंगा दास द्वारा उद्योग लगाने हेतु प्रोजेक्ट रिपोर्ट कैसे तैयार करें इसके संबंध में बताया गया तथा तैयार अचार लाभार्थियों को वितरित कर दिया गया प्रमाण पत्र वितरण में द्वारकाधीश संकुल स्तरीय समिति न्याय पंचायत गुमथल ग्राम सभा बनिया खेड़ा की अध्यक्ष अनुपमा सिंह सचिव रश्मि स्वाति एवं मोहित कुमार गोद सहायक फल संरक्षण केंद्र आदि का विशेष सहयोग रहा

### जिला सैनिक बंधु की बैठक में जिलाधिकारी द्वारा तिरंगा भेट कर पूर्व सैनिको को किया गया समानित

हापुड़ (सब का सपना):- जिला सैनिक बंधु की मीटिंग जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई सभा का संचालन जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ले० कर्नल विवेक सिंह ने किया। वारंट आफिसर मनबीर सिंह ने वीर बलिदानियों के सम्मान व सैनिक के सम्मान में मुख्य बिन्दुओ जेसे शहीद प्रतिमा / टोरणद्वारा व सड़क का नामाकरण, हापुड़ में शहीद पार्क का नामाकरण, शहीद प्रतिमा स्थल / सरोवर की सफाई, ईसीएचएस पोलीक्लीनिक आदि के विषय में अवगत कराया। जिलाधिकारी द्वारा पूर्व सैनिको की समस्याओं को वरियता के आधार पर निराकरण का आश्वासन दिया। सभा के समापन से पूर्व जिलाधिकारी द्वारा पूर्व सैनिको को तिरंगा भेट करते हुऐ अपने-अपने प्रतिष्ठान पर फहराने का आहवान किया। सभा के समापन पर जिला सैनिका कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी द्वारा धन्यवाद देते हुऐ जिलाधिकारी व पूर्व सैनिको का आभार व्यक्त किया गया। सभा में मुख्य रूप से ईबीएस बाबूगढ ए०डी०एम० कमान्डेट ले० कर्नल संगमा, वारंट आफिसर मनबीर सिंह उपाध्यक्ष जिला सैनिक बंधु, कैप्टन राजेश, कैप्टन महीपाल सिंह, वेटरन इरकान अली, हवलदार शाहिद, हवलदार वेटरन के०पी० सिंह, सूबेदार रतनपाल, सूबेदार चन्द्रवीर, सूबेदार जगदीश चौहान, कैप्टन महेश, सूबेदार मेजर महेन्द्र सिंह, आदि उपस्थित रहें।

### सीतापुर में दरोगा ने पीट-पीटकर युवक को मार डाला

**सीतापुर।** दरोगा की पिटाई से युवक की मौत हो गई। मौत से पहले उसका एक वीडियो सामने आया है। इसमें वह कह रहा है- दरोगा ने मुझे बेरहमी से पीटा है। मेरा कोई कसूर नहीं है। युवक मंगलवार की रात अपनी दुकान के बाहर सो रहा था। दरोगा ने चोर समझकर उसको जमकर पीटा। जब बेहोश हो गया, तो छोड़कर भाग गया। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां बुधवार सुबह उसने दम तोड़ दिया। घटना से गुस्साए परिजनों ने बुधवार सुबह विरोध प्रदर्शन किया। महमूदाबाद सिधौली मार्ग पर जाम लगा दिया। सूचना मिलते ही एसपी समेत 2 थानों की फोर्स मौके पर पहुंचे। परिवार वालों को कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। परिजन करीब 1 घंटे तक जाम लगाए रहे। घटना सिधौली थाना क्षेत्र के जसवंतपुर की है। जसवंतपुर के रहने वाले सत्यपाल (26) पुत्र सोहबरन सिंह की घर से 800 मीटर दूर जाफरीपुर की मार्केट में किराए पर परचून की दुकान थी। उनका छोटा भाई और पिता दुकान पर बैठते थे। पास की 3 दुकानें उनके चाचा ने किराए पर ले रखी हैं। सत्यपाल मंगलवार रात को अपनी दुकान के बाहर सो रहे थे। रात करीब 1 बजे दरोगा मणिकांत श्रीवास्तव अपनी गाड़ी से राउंड पर थे। उनके साथ 5-6 पुलिसकर्मी और थे। उन्होंने सत्यपाल को जगाकर उससे नाम पूछा। पूछताछ के बाद दरोगा सत्यपाल को पीटने लगे। उसे इतना पीटा कि वह बेहोश हो गया। फिर उसे छोड़कर चले गए। रामखिलावन और आकाश भी पास में अपनी दुकानों में सो रहे थे। उन्होंने दरोगा को युवक को पीटते हुए देखा। इन्हीं दोनों ने सत्यपाल के पिता के घटना की जानकारी दी। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने युवक से घटना के बारे में पूछा। तब उसने दरोगा पर पीटने का आरोप लगाया। इसी दौरान भीड़ में से किसी ने इसका वीडियो बना लिया। लोगों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। सत्यपाल को सीएचसी ले गए। जहां आज सुबह उसने दम तोड़ दिया। मौत की सूचना मिलते ही गुस्साए परिजन और ग्रामीण महमूदाबाद सिधौली मार्ग पर इकट्ठा हो गए। उन्होंने दरोगा के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर सड़क जाम कर दी। इस दौरान दोनों तरफ का ट्रैफिक पूरी तरह से रुक गया। सड़क पर करीब 1 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही एसपी अंकुर अग्रवाल, एडिशनल एसपी उत्तरी आलोक सिंह, सीओ सिधौली कपूर कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस परिजनों को समझाने की कोशिश करती रही, लेकिन वह तुरंत कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। अधिकारियों के बहुत समझाने पर परिजन माने।

### डकैती और मारपीट के मामले में दो वांछित और एक नाबालिग गिरफ्तार

**संभल(सब का सपना):-** पुलिस ने डकैती और मारपीट के एक मामले में दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया गुड्डू और संजय यादव, दोनों बबराला के चंदौसी रोड निवासी ऋषिपाल के पुत्र, और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी नेहरू चौक, गुन्नौर से की गई। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने मुकेश गुप्ता पर धारदार रॉड से हमला किया, देसी पिस्तौल से फायर किया, उनकी मोटरसाइकिल को क्षतिग्रस्त किया और 23,000 रुपये नकद व सोने की चेन लूट ली। पुलिस ने नाबालिग के पास से 9,400 रुपये नकद, एक .315 बोर की अवैध देशी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। यह कार्रवाई थाना प्रभारी अखिलेश प्रधान के नेतृत्व में उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार, कांस्टेबल नितिन, विशाल चौधरी और अरुण कुमार की टीम ने की। मामले की जांच जारी है।

# किसान ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा व पैदल मार्च, अधिकारियों की तानाशाही पर भारी आक्रोश सौंपा ज्ञापन

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार आज जनपद संभल में किसान संगठनों ने बहजोई मंडी समिति से जिला मुख्यालय तक ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा और पैदल मार्च निकाला। यह आंदोलन राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपने के साथ-साथ किसानों की स्थानीय समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखना था। आंदोलन के दौरान किसानों ने विभिन्न मांगों को लेकर जोरदार नारेबाजी की और रोड व रेल जाम करने की चेतावनी दी।

कई अधिकारियों ने ज्ञापन लेने का प्रयास किया, लेकिन किसानों ने सभी को वापस लौटा दिया। किसानों का आरोप था कि प्रशासन उनकी समस्याओं के प्रति गंभीर नहीं है और अधिकारी तानाशाही रवैया अपना रहे हैं। दिनभर चले तनावपूर्ण माहौल के बीच सीओ आलोक सिद्दू और डिप्टी कलेक्टर ने किसान नेताओं के साथ कई दौर की वार्ता की। उच्च अधिकारियों से बातचीत के बाद शाम 5 बजे सहमति बनी कि 19 अगस्त को जिला अधिकारी की अध्यक्षता में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ किसानों की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा होगी। इस समझौते के बाद किसानों ने सर्वसम्मति से आंदोलन समाप्त किया। आंदोलन के दौरान कई घंटों तक एक ओर का रास्ता बंद रहा, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। किसानों ने अधिकारियों की उदासीनता और तानाशाही रवैये के खिलाफ भारी आक्रोश व्यक्त किया। आंदोलनकारी किसानों ने चेतावनी दी कि यदि 19 अगस्त की बैठक में उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो वे और उग्र आंदोलन करेंगे।

# दिल्ली के जनकपुरी में निकली तिरंगा यात्रा, मंत्री आशीष सूद ने दिया एकता का संदेश

**पश्चिमी दिल्ली।** जनकपुरी के विधायक व प्रदेश में शिक्षा मंत्री आशीष सूद के नेतृत्व में जनकपुरी में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में क्षेत्रीय सांसद कमलजीत सहरावत भी शामिल हुईं। जनकपुरी सी1 ब्ला से डाबड़ी चौक तक आयोजित तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान जनकपुरी एवं आसपास की कॉलोनियों के निवासी, विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक व व्यापारिक संगठन, आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी और कई स्कूलो के बच्चों ने हाथ में तिरंगा पकड़कर यात्रा में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा में शामिल लोग देशभक्ति एवं एकता से जुड़े नारे लगाते रहे। यात्रा के दौरान मंत्री आशीष सूद ने कहा कि जनकपुरी के सभी संगठनों और यहां के नन्हें-मुन्ने बच्चे विकसित दिल्ली, विकसित जनकपुरी और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए आज भारी संख्या में एकत्रित हुए हैं। यह तिरंगा यात्रा न केवल स्वतंत्रता दिवस का उत्सव है, बल्कि स्वच्छता और सकारात्मक सामाजिक बदलाव का संदेश भी देती है। अपने बचपन की स्वतंत्रता दिवस की यादों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि 15 अगस्त का दिन केवल झंडा फहराने और पतंग उड़ाने का दिन नहीं, बल्कि देश के लिए कुछ सार्थक करने का अवसर है। उन्होंने देसी उत्पादों के प्रयोग पर बल देते हुए लोगों से आग्रह किया कि वह पतंग

उड़ाते समय सिंथेटिक मांझा का प्रयोग न करें, बल्कि देसी मांझा और तिरंगी पतंग से आसमान को सजाएं। यह भी अपने देश के लिए कुछ सार्थक करने का उदाहरण बनेगा। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नारे तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा को याद करते हुए कहा कि आज देश को खून नहीं, बल्कि देश के लिए कुछ कर गुजरने का जुनून, अच्छे संस्कार और समाज के लिए योगदान की आवश्यकता है। कारगिल के शहीदों को याद करते हुए श्री सूद ने कहा की देश के प्रति जैसा समर्पित जीवन उन रणबांकुर युवाओं ने जिया वह हम सब के लिए प्रेरणास्त्रोत है। मात्र 20- से 25 साल के युवाओं ने देश के लिए जो बलिदान दिया वह अदभुत है। मैं दिल से ये मानता हूं कि कुछ ना कुछ जरूर उन व्यक्तियों के अंदर होता है जिसके कारण वे लोग अपना जीवन इस देश के ऊपर कुर्बान कर देते हैं। इस अवसर पर सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा की तिरंगा केवल सम्मान का प्रतीक नहीं, बल्कि उन अनगिनत बलिदानों की याद है, जिनके कारण हमें इसे लहराने का अधिकार मिला। 15 अगस्त 1947 की आजादी के पीछे भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाष बोस और महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों के त्याग की अमिट गाथाएं हैं। महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका में हुए अपमान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि गांधी जी ने ट्रेन से उतारने का अपमान व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राष्ट्र का अपमान मानते हुए अपना पूरा जीवन स्वतंत्रता संग्राम को समर्पित कर दिया था। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित यात्रा के समापन स्थल डाबड़ी चौराहा पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान स्कूली बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम पेश किए। मंत्री व सांसद ने इन बच्चों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए इन्हें पुरुस्कृत किया।

## स्वतंत्रता दिवस पर ये लोग दिल्ली मेट्रो में कर सकेंगे फ्री यात्रा, जानें सुबह कितने बजे से चलेगी पहली मेट्रो

**नई दिल्ली।** स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त को विशेष अतिथियों, आम जनता और समारोह में शामिल होने वाले सभी लोगों के लिए सुविधा के लिए मेट्रो सेवा सुबह 4 बजे से शुरू होगी। सभी लाइनें अपने टर्मिनल स्टेशनों से इस समय चलना शुरू करेंगी और सुबह 6 बजे तक हर 30 मिनट में ट्रेन मिलेगी। इसके बाद नियमित समय सारणी लागू रहेगी। जो लोग रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बोनाफाइड इनविटेशन कार्ड रखते हैं, उन्हें खास दफटिकट के जरिये समारोह स्थल आने-जाने में मदद मिलेगी। लाल किला, जामा मस्जिद और दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन समारोह स्थल के सबसे नजदीक हैं। ऐसे यात्रियों का यात्रा खर्च रक्षा मंत्रालय की ओर से दिल्ली मेट्रो रेल निगम को चुकाया जाएगा। दिल्ली मेट्रो के प्रिंसिपल एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, अनुज दयाल ने बताया कि जनता और समारोह में भाग लेने वालों की सुविधा के लिए यह कदम उठाया गया है ताकि सभी आराम से और समय पर पहुंच सकें। यह योजना स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और सुविधाजनक आवागमन सुनिश्चित करने में मदद करेगी।

## स्वाति मालीवाल को कोर्ट से मिली राहत, नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता का नाम बताने के मामले में बरी

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल और अन्य आरोपितों को बुधवार को दिल्ली की एक कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। राउज एवेन्यू कोर्ट में स्वाति मालिवाल पर एक नाबालिग यौन उत्पीड़न पीड़िता का नाम उजागर करने के आरोप में सुनवाई चल रही थी। इस मुकदमे में उन्हें बरी कर दिया गया है। मालीवाल पर जुवेनाइल जस्टिस एक्ट और धारा 228ए के तहत मामला दर्ज किया गया था, जो यौन अपराधों के पीड़ितों की पहचान उजागर करने पर रोक लगाती है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष पीड़िता की पहचान उजागर करने के आरोप को साबित करने में नाकाम रहा। कोर्ट ने सभी आरोपितों को संदेह का लाभ देते हुए आरोपमुक्त कर दिया।

## बेटी की आपबीती सुन मां का कांपा कलेजा, पुलिस ने पीड़िता की कराई मेडिकल जांच; अब दरिंदों की खैर नहीं

**बाहरी दिल्ली।** दिल्ली में नरेला के लामपुर स्थित एमके स्विमिंग पूल में तैराकी करने गई नौ वर्षीय दो बच्चियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार की शिकायत पर नरेला थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर स्विमिंग पूल के ठेकेदार अनिल और केयर टेकर मुनील को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर तकिये का कवर, चादर, आपत्तिजनक सामान और डीवीआर बरामद किए हैं। वहीं, पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश रही है कि आरोपियों ने कहीं अन्य लड़कियों के साथ भी इस तरह की कोई हरकत तो नहीं की है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्विमिंग पूल से करीब छह से सात किलोमीटर दूर रहने वाली दोनों नाबालिग बच्ची बस से नरेला स्थित इस स्विमिंग पूल पांच अगस्त को तैराकी करने आई थी। इससे पहले भी दोनों नाबालिग यहां एक बार आ चुकी थी। बताया गया कि दूसरी बार आने पर ठेकेदार अनिल ने दोनों बच्चियों को पकड़ लिया। परिसर में बने एक कमरे में ले जाकर कमरा बंद कर दिया। फिर दोनों के साथ दुष्कर्म किया। जिसके बाद केयर टेकर मुनील ने भी दोनों बच्चियों के साथ दुष्कर्म किया। फिर दोनों को जान से मारने की धमकी देते हुए, किसी से नहीं बताने के लिए कहा। जिस समय आरोपी ने इस वारदात को अंजाम दिया। उस समय स्विमिंग पूल में कोई मौजूद नहीं था। वहीं, जानकारी के मुताबिक, पूल आधिकारिक तौर पर उपयोग के लिए अभी खुला नहीं है, फिर भी लोग अक्सर बिना किसी शुल्क या औपचारिक अनुमति के वहां नहाने के लिए आते थे। पुलिस को जांच में पता चला कि घटना वाले दिन पूल का गेट खुला होने पर दोनों बच्चियां वहां नहाने के लिए चली गई। उसी समय वहां दोनों आरोपी आ गए और इस वारदात को अंजाम दिया। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि आठ अगस्त को नरेला थाना पहुंची एक महिला ने बताया कि उनकी नौ वर्षीय बेटी और एक अन्य नौ वर्षीय बच्ची के साथ लामपुर स्थित एमके स्विमिंग पूल में पांच अगस्त को सामूहिक दुष्कर्म हुआ है।

# दिल्ली में रूट डायवर्जन के चलते एनएच 9 पर लगा भयंकर जाम, फंसे हजारों वाहन

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली में लाल किला पर स्वतंत्रता दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल के चलते रूट डायवर्ट किया गया है। वहीं, रूट डायवर्ट के कारण कश्मीरी गेट बस अड्डे से लेकर वजीराबाद व शस्त्री पार्क से नोएडा तक जाम लगा हुआ है। उधर, एनएच-9 सराय काले खां से गाजीपुर तक जाम लगा हुआ है। बता दें कि आज (बुधवार) सुबह चार बजे से 11 बजे तक नेताजी सुभाष मार्ग, लोथियन रोड, एसपी मुखर्जी मार्ग, चांदनी चौक रोड, निषाद राज मार्ग, एस्प्लेनेड रोड और उसका लिंक रोड, राजघाट से आइएसबीटी तक रिंग रोड और आईएसबीटी से आइपी फ्लाईओवर तक आउटर रिंग रोड को बंद रखा जाएगा। जारी की गई एडवाइजरी एडवाइजरी के अनुसार, रिहर्सल के लिए बिना पार्किंग लेबल वाले वाहनों को सी-हेक्सागन, इंडिया गेट, कोपरनिकस मार्ग, मंडी हाउस,

सिकंदरा रोड, डब्ल्यू प्वाइंट, ए प्वाइंट तिलक मार्ग, मथुरा रोड, बीएसजेड मार्ग, नेताजी सुभाष मार्ग से होकर नहीं गुजरें। वहीं, जेएल नेहरू मार्ग, निजामुद्दीन और आईएसबीटी कश्मीरी गेट के बीच रिंग रोड और निजामुद्दीन खट्टा से सलीमगढ़ बाईपास होते हुए आईएसबीटी कश्मीरी गेट तक आउटर रिंग रोड पर यात्रा करने से बचें। ये करें वैल्कपिक मार्गों का प्रयोग उत्तरी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए अरबिंदो मार्ग, सफदरजंग रोड, कमल अतातुर्क मार्ग, कौटिल्य मार्ग, एसपीएम मार्ग, 11 मूर्ति, मदर टेरेसा क्रिसेंट, पार्क स्ट्रीट, मंदिर मार्ग, पंचकुइयां रोड और रानी झांसी रोड के वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करना होगा। इन मार्गों पर भी रहेगा डायवर्जन पूर्व-पश्चिम कारिडोर में, एनएच-24, निजामुद्दीन खट्टा, बारापुला रोड के वैकल्पिक मार्गों पर वाहनों का आवागमन जारी रहेगा। रिंग रोड पर एम्स फ्लाईओवर के नीचे, निजामुद्दीन खट्टा, रिंग रोड, मथुरा रोड, सुब्रमण्य भारती मार्ग, राजेश पायलट मार्ग, पृथ्वीराज रोड और सफदरजंग रोड आदि और इसके विपरीत बंद रहेंगे। इस दौरान शांति वन की ओर पुराना लोहे का पुल और गीता कालोनी पुल भी बंद रहेगा। रिंग रोड तक पहुंचने के लिए डीएनडी, एनएच-24 (एनएच-9), युधिष्ठिर सेतु, सिग्नेचर ब्रिज और वजीराबाद ब्रिज खुले रहेंगे। बताया गया कि 12 अगस्त की मध्यरात्रि से 13 अगस्त की सुबह 11 बजे तक निजामुद्दीन और वजीराबाद पुलों के बीच मालवाहक वाहनों की आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस अवधि के दौरान महाराणा प्रताप आईएसबीटी और सराय काले खां आईएसबीटी के बीच अंतरराज्यीय बसों की भी अनुमति नहीं दी जाएगी।

## 'सुप्रीम कोर्ट के सामने' आवारा कुत्तों पर फैसले को लेकर वकील ने पशुप्रेमी को पीटा! दिल्ली में छिड़ी नई बहस

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट के आवारा कुत्तों को आश्रय स्थल में रखने वाले आदेश के बाद राजधानी के पशुप्रेमी काफी नाराज हो गए हैं। इसी कड़ी में एक वकील और पशुप्रेमी के बीच हाथापाई का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट के परिसर के बाहर घटी इस घटना पर लोग तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। वकीलों के खिलाफ लोगों में आक्रोश वायरल वीडियो सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद का बताया जा रहा है। 11 अगस्त को हुई इस हाथापाई की घटना में एक वकील एक व्यक्ति को खींचने के बाद उस पर हमला करता हुआ दिख रहा है। वह उस व्यक्ति को दो बार मारता हुआ दिखाई दे रहा है। इस बीच वहां मौजूद अन्य लोग बीच-बचाव कर स्थिति को शांत करते हुए देखे जा रहे हैं। वीडियो में जिसमें वकीलों के खिलाफ लोगों को आक्रोश जताते हुए सुना जा सकता है। फैसले का हो रहा स्वागत और विरोध दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने अधिकारियों को आश्रय स्थल बनाने और आवारा कुत्तों को स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। इसे लेकर मंगलवार को कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर पर पशुप्रेमियों ने बड़ी संख्या में एकत्र होकर अपना विरोध जताया था। पुशप्रेमियों का कहना है कि यह आदेश पशुओं के साथ किया जाने वाला अत्याचार है। वहीं, बड़ी संख्या में दिल्लीवासियों ने कोर्ट के इस निर्णय का स्वागत किया है।

# दिल्ली पुलिस ने दो नाबालिग झपटमार समेत तीन को दबोचा, कार का शीशा तोड़कर छीन लिया था फोन

**बाहरी दिल्ली।** दिल्ली में शालीमार बाग थाना पुलिस ने बाइक व कार चोरी को झपटमारी की वारदात को अंजाम देने वाले दो नाबालिग झपटमार समेत तीन को पकड़ा है। एक रिसीवर को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से सात चोरी व झपटे हुए मोबाइल फोन, चार चोरी की गई स्कूटी भी बरामद किए हैं। आरोपियों की पहचान झपटमार निखिल कुमार और रिसीवर की पहचान रोशन के रूप में हुई है। दो की पहचान नाबालिग के रूप में हुई है। उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि दो

अगस्त की शाम शालीमार बाग में झपटमारी के मामले मं शिकायत मिली। पीड़ित मुरली यादव ने पुलिस को बताया कि शालीमार बाग स्थित एओ ब्लॉक से वह अपने मित्र रोहित के साथ अपनी कार में थे। इस दौरान कुछ अज्ञात व्यक्ति कार का साइड शीशा तोड़कर रोहित के हाथ से मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। आरोपी अपने तीन साथी दो लड़के व एक लड़की के साथ स्कूटी पर मौके से भाग गए। पीड़ित आरोपितों का पीछा करते हुए उन्हें गिराने में सफल रहे, लेकिन आरोपी मौके से भाग निकले और अपनी स्कूटी और एक मोबाइल फोन वहीं छोड़ गए। टीम सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण कर चार आरोपियों को पकड़ लिया। एक सहयोगी लड़की की तलाश व अन्य मामलों में संलिप्तता की जांच जारी है।

## तिहाड़ जेल में रंगदारी रैकेट! जेल अधीक्षक समेत 9 अधिकारी निलंबित, रुपया लेकर कैदियों को सुविधा देने का आरोप

**नई दिल्ली।** तिहाड़ जेल के अंदर से ही रंगदारी करने के मामले में तिहाड़ के नौ अधिकारी निलंबित किए गए हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने ने इस मामले में आश्चर्य जताते हुए सीबीआई को प्राथमिकी दर्ज कर जांच करने का आदेश दिया था। निलंबित अधिकारियों में एक जेल अधीक्षक, तीन सहायक अधीक्षक, चार हेड वार्डन और एक अन्य शामिल हैं। यह मामला जेल संख्या 8-9 से जुड़ा है। आरोप है कि तिहाड़ जेल में मोटी रकम लेकर कैदियों को सुविधा उपलब्ध कराया जाता था। जिस अधीक्षक को निलंबित किया गया है वह इन दिनों मुख्यालय में तैनात थे। कोर्ट ने अपनाया था कड़ा रुख बता दें कि बीते सोमवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने तिहाड़ जेल के अंदर रंगदारी रैकेट चलने के आरोपों पर सीबीआई को प्राथमिकी दर्ज कर जांच करने का आदेश दिया था। अदालत ने इसे हैरान करने वाला मामला बताते हुए कहा था कि इस पर तुरंत और गंभीर सोच-विचार की जरूरत है। अदालत ने स्थिति रिपोर्ट और प्रारंभिक जांच रिपोर्ट देखने के बाद कहा था कि इसके आधार पर सीबीआई प्राथमिकी दर्ज कर जेल अधिकारियों के साथ-साथ सभी संबंधित लोगों, कैदियों के रिश्तेदारों और यहां तक कि याचिकाकर्ता की भूमिका की भी पड़ताल करने का आदेश दिया था। पीठ ने अपने आदेश में कहा था कि मामले की सुनवाई की अगली तारीख पर सीबीआई की कार्रवाई की जानकारी सीलबंद लिफाफे में अदालत को दी जाए। इस मामले पर अगली सुनवाई 13 अगस्त को होगी।

# आखिर सामने आया दो नाइजीरियाई नागरिकों की मौत का सच, दोस्त हेनरी के संपर्क में पुलिस

**पश्चिमी दिल्ली।** दिल्ली में डाबड़ी थाना क्षेत्र में तीन अगस्त को कपड़े के शोरूम स्थित गोदाम में मृत अवस्था में मिले दो नाइजीरियाई नागरिकों की मौत के मामले में पुलिस को प्राथमिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई है। सूत्रों से मिली जानकारी की मानें तो रिपोर्ट में दोनों की मौत के पीछे की मुख्य वजहों में ड्रग्स का ओवरडोज भी है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि गोदाम पर पार्टी का आयोजन किया गया था। इस दौरान वहां खाने के साथ शराब और ड्रग्स का इस्तेमाल किया गया था। सूत्रों ने

बताया कि पुलिस को जब शव मिले थे और दोनों की मौत को 12 घंटे का समय बीत चुका था। पुलिस आशंका जता रही है कि रविवार के दिन कपड़े का शोरूम बंद रहता है, जिसके लिए वहां पार्टी का आयोजन किया गया था। जहां आरोपितों ने ड्रग्स लिया और उसकी ओवर डोज के चलते उनकी मौत हो गई। पुलिस पार्टी में शामिल होने वाले लोगों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दोनों मृतकों के बारे में जानकारी जुटाने पर पता चला कि जिस इमारत में दोनों के शव मिले थे। वह इमारत हेनरी नाम के नाइजीरियाई नागरिक ने किराए पर ली थी। हेनरी दोनों का दोस्त था। वह वर्तमान में दुबई में हैं। पुलिस हेनरी से सम्पर्क करने की कोशिश कर रही है। जिससे उसके दोस्तों की मौत से पहले गोदाम पर क्या हुआ था। इसकी जानकारी मिल सके।

## दिल्ली में यमुना का जलस्तर चेतावनी स्तर के करीब! हिमाचल प्रदेश में हो रही तेज बारिश, जानें हथनी कुंड का कनेक्शन

**नई दिल्ली।** यमुना के जलस्तर दर्ज हो रही गिरावट में एक बार फिर बाधा आ गई है। दो दिन के बाद एक बार फिर से दिल्ली में लोहा पुल के पास यमुना का पानी चेतावनी स्तर 204.5 के करीब पहुंच गया है। पिछले सप्ताह बृहस्पतिवार सुबह यह चेतावनी स्तर से ऊपर

पहुंच गया था लेकिन शुक्रवार रात को यह चेतावनी स्तर से नीचे आ गया था। सतर्क रहने को कहा गया यमुना का जलस्तर मंगलवार को 204 मीटर से नीचे आ गया था। मंगलवार रात से इसमें फिर से वृद्धि देखी जा रही है। मंगलवार रात को ही पानी का स्तर 204 के पार और बुधवार सुबह छह बजे 204.4 मीटर पहुंच गया। इसे ध्यान में रखकर सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों और निचले क्षेत्र में रहने वालों को सतर्क रहने को कहा गया है। पहाड़ों पर हो रही बारिश अधिकारियों का कहना है कि हिमाचल प्रदेश में हो रही वर्षा के कारण हथनी कुंड में अधिक पानी पहुंच रहा है। इस कारण हथनी कुंड से अधिक पानी छोड़ा जा रहा है जिससे दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ रहा है। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन दल के अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। पिछले सप्ताह ही निचले क्षेत्र में रहने वाले लगभग 12,000 लोगों को सतर्क किया गया है। आवश्यकता पड़ने पर इन्हें सुरक्षित स्थानों पर भेजा जाएगा।

# फेसबुक और टेलीग्राम से निवेश के नाम पर ठगी करने वाला गिरफ्तार, बीटेक पास सरगना ने किया करोड़ों का घपला

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग से ग्रेजुएट कृष्ण कुमार को 6.03 करोड़ रुपये के ऑनलाइन निवेश घोटाले का मास्टरमाइंड होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी ने फेसबुक और टेलीग्राम के माध्यम से पीड़ितों को शेयर ट्रेडिंग में अच्छा रिटर्न का लालच देकर ठगी की थी। वह दो साइबर कैफे चलाकर उसकी आड़ में यह गोरखधंधा कर रहा था। टेलीग्राम चैनल में किया

शामिल पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, धोखेबाज ने फेसबुक के जरिए पीड़ितों को निशाना बनाया। उसने लोगों को मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर उन्हें "प्लस500 ग्लोबल सीएस" नाम के एक टेलीग्राम चैनल में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। पीड़ित को कर दिया ब्लॉक पुलिस ने बताया कि वह उस ग्रुप में पीड़ितों को नकली प्रॉफिट

**दिल्ली पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कृष्ण कुमार को गिरफ्तार किया जो 6.03 करोड़ रुपये के ऑनलाइन निवेश घोटाले का मास्टरमाइंड है।**

वाले स्क्रीनशॉट, जाली ट्रेडिंग डैशबोर्ड और स्क्रिप्टेड चैट दिखाकर भरोसा जीतता रहा। धीरे-धीरे उसने पीड़ित को 6.03 करोड़ रुपये निवेश करने के लिए राजी किया, जो कई किश्तों में सिंडिकेट द्वारा नियंत्रित खातों में स्थानांतरित किए गए। जब पीड़ित ने रुपये निकालने की कोशिश की, तो उसे ब्लॉक कर दिया गया। कई बार करता था रकम ट्रांसफर पुलिस के अनुसार, अपनी पहचान छुपाने के लिये कृष्ण कुमार नकली व्हाट्सएप नंबर और वर्चुअल फोन लाइनों का उपयोग करता था। वह निवेश की गई रकम को कई खातों के माध्यम से ट्रांसफर करता था ताकि पता न लगाया जा सके। साइबर सेल ने 57 लाख रुपये की राशि को 'प्रियंका प्लेसमेंट एंड लोन सर्विसेज' नामक एक फर्जी कंपनी के खाते में ट्रेस किया, जिसके बाद आरोपित के बारे में जानकारी जुटाई जा सकी। इसके बाद ठग कृष्ण को ग्रेटर नोएडा के कुलेशरा से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपित को अन्य सिंडिकेट सदस्यों की पहचान के लिए पुलिस हिरासत में लिया गया है। उन्नत डिजिटल फॉरेंसिक, डिवाइस क्लोनिंग और फाइनेंशियल ट्रेल मैपिंग के जरिए लोगों के निवेश किये गए रकम को बरामद करने की कार्रवाई की जा रही है।

## श्री रामलीला कमेटी कटला (रजि) का 128 वॉ भव्य विजय दशमी महोत्सव व ऐतिहासिक रामलीला का आगाज

**हिसार /** श्री रामलीला कमेटी कटला (रजि) हिसार के तत्वावधान में 128 वॉ भव्य विजय दशमी महोत्सव व ऐतिहासिक रामलीला का आगाज। श्री रामलीला कमेटी कटला (रजि) हिसार कमेटी के कुछ आजीवन सदस्य कमेटी कार्यालय में एकत्रित हुए व कमेटी के प्रशासक एन के गोयल के साथ ऐतिहासिक रामलीला व महोत्सव को लेकर चर्चा हुई। कार्यक्रम को लेकर कमेटी के प्रशासक एन के गोयल ने बताया कि 2 सितंबर को स्वामी कृष्णानंद जी महाराज (खरड़ वाले)के सानिध्य में मारुति नन्दन श्री हनुमान जी का विधिवत ध्वजारोहण समारोह होगा। इससे पूर्व जय सियाराम मंदिर कटला रामलीला में श्री हनुमानजी की धर्म ध्वजा का प.राजेश शास्त्री के द्वारा पूजन होगा,इस अवसर पर डॉ सुरेंद्र गुप्ता (एमडी) मुख्य यजमान के तौर पर उपस्थित होंगे। उसके उपरांत श्रद्धालुओं व आजीवन सदस्यों द्वारा शोभायात्रा के माध्यम व भजनों के गायन के साथ धर्म ध्वजा को श्री कटला रामलीला से लेकर पुराना गवर्नमेंट कालेज के मैदान पहुँच कर पूजा अर्चना कर ध्वजा स्थापित की जाएगी। इसके अलावा यह चर्चा हुई कि कमेटी के सभी सदस्य आज से नगर निवासियों को मिलकर ऐतिहासिक रामलीला का निमंत्रण देगें। कार्यालय में एन के गोयल प्रशासक के अलावा वीरभान बंसल, (पूर्व प्रधान) सज्जन गुप्ता, (पूर्व प्रधान) विनोद गुप्ता (पूर्व प्रधान) विनोद कंसल (पूर्व महासचिव) चन्द्र भान सोनी,ऋषि राज बुडाकिया,अशोक शर्मा,राजेंद्र बंसल (नेता जी) राजेश शर्मा,प्रेम कश्यप,ललित गोयल, रमेश लोहिया, (पूर्व कैशियर) जनक गुप्ता,राकेश गुप्ता इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

## विभाजन विभीषिका का दंश कभी भुला व भुलाया नहीं जा सकता : राजेन्द्र सपड़ा

**हिसार /** देश की आजादी से एक दिन पहले मिले विभाजन के दंश को कभी भुला व भुलाया नहीं जा सकता। स विभाजन के समय अनगिनत लोगों ने जहां अपनों को खोया, घर परिवार खोया वहीं अनगिनत लोगों की जान तक चली गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आजादी से एक दिन पूर्व विभाजन विभीषिका दिवस मनाने का यही प्रयोजन है कि हम अपने उन जानकारों, परिजनों व सगे संबंधियों को याद करें, जो उस समय हमसे किसी न किसी रूप में बिछड़ गए। यह बात भाजपा जिला मीडिया प्रमुख राजेन्द्र सपड़ा ने विभाजन विभीषिका दिवस के अवसर पर अपने विचार सांझा करते हुए कही। उन्होंने कहा कि वे भी परिवार से संबंधित है, जो विभाजन के समय बिछड़कर यहां आया। उनके पिता जी, माता व परिजन बताते थे कि विभाजन विभीषिका के दौरान बड़ा खूनी खेल खेला गया, चारों तरफ तबाही का मंजर, अनेक परिजन, सगे संबंधी व जानकार बिछड़ गए और जो बच गए, वो किसी तरह जान बचाते हुए यहां पहुंचकर अपने कारोबार में लगे। यहां जान बचाकर पहुंचे लोगों के मन में अपनों व अपना कारोबार खोने की टीस थी लेकिन केवल उन्होंने हार नहीं मानी और देश व धर्म का साथ देते हुए आजाद भारत में रहते हुए मेहनत करके अपनी जीविका फिर से शुरू की। राजेन्द्र सपड़ा ने कहा कि उनके पिता व कई अन्य जानकार परिवार समय की विभाजन की जीवंत तस्वीरें जब बयां करते थे तो सुनकर भी रूह कांप उठती थी। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि वास्तव में जिन लोगों ने विभाजन विभीषिका देखी या जो शिकार हुए, वे कितने प्रताड़ित व पीड़ित हुए होंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार सरकार बनने के बाद विभाजन विभीषिका दिवस मनाकर उन जाने अनजाने अपने लोगों को याद करने के लिए यह दिवस मनाया जाने लगा ताकि आजादी की खुशी में हम अपने उन लोगों को न भूल जाएं, जिनका आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

## मुक्ति धाम मुकाम के लिए शुरू होगी हिसार से सीधी बस सेवा

**कुलदीप बिश्नोई 16 को हरी झंडी दिखाकर बस को करेंगे रवाना-**

**हिसार /** राजस्थान के बीकानेर जिले में स्थित मुक्ति धाम मुकाम के लिए अब हिसार नियमित तौर पर हिसार से बस सेवा शुरू होगी। यह जानकारी देते हुए नलवा से विधायक रणधीर पनिहार ने बताया कि 16 अगस्त को सुबह 9.15 बजे हिसार बस स्टैंड से सीधे मुक्ति धाम मुकाम के लिए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद चौ. कुलदीप बिश्नोई हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। उन्होंने कहा कि गुरू जंभेश्वर भगवान की तपोभूमि मुक्ति धाम मुकाम बिश्नोई समाज सहित सभी 36 बिरादरी के लिए आस्था का केन्द्र है। आदमपुर, नलवा सहित हिसार जिले से नियमित तौर पर श्रद्धालु मुक्ति धाम मुकाम के लिए जाते हैं। स्थानीय निवासियों की मांग को देखते हुए कुलदीप बिश्नोई के अनुरोध पर परिवहन विभाग ने यह बस सेवा शुरू की है। इसके लिए वे प्रदेश सरकार व परिवहन विभाग के अधिकारियों के आभारी हैं।

## आर्य समाज नागोरी गेट में वेद प्रचार सप्ताह श्रावणी उपाक्रम जारी

**हिसार /** आर्य समाज लाला लाजपत राय चौक नागोरी गेट हिसार में चल रहे वेद प्रचार सप्ताह श्रावणी उपक्रम का शुभारंभ संसार के सर्वश्रेष्ठ कर्म यज्ञ से प्रारंभ हुआ। आज तीसरे दिन के यज्ञ के यज्ञमान अशोक गौतम व रेखा गौतम, मांगेराम आर्य व उनकी धर्मपत्नी, सनी आर्य व गीता आर्या, सुषमा गांधी संगीताचार्या रहे। यज्ञ का संपादन आर्य समाज के पुरोहित धमार्चार्य कर्मवीर शास्त्री ने किया। यज्ञ के उपरांत डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल के बच्चों ने अपनी सुंदर प्रस्तुति दी एवं रेखा गौतम का सुंदर भजन हुआ। संसार के केंद्र नाभि की चर्चा करते हुए डॉ. वेदपाल ने समझाया कि जिस प्रकार शारीरिक स्वास्थ्य के लिए नाभि का अपने स्थान पर स्थिर रहना जरूरी है। उसी प्रकार संसार की नाभि यज्ञ का सुव्यवस्थित रहना आवश्यक है। यज्ञ केवल अग्नि में कुछ द्रव्य समर्पित करना ही नहीं है। यह तो उसका बाह्य स्थूल रूप है। आंतरिक रूप उसकी आत्मा है। जिस प्रकार आत्मा के न रहने पर शरीर किसी काम का नहीं रहता है, उसी प्रकार यज्ञ की आत्मा उसके भाव का अभाव होने पर अनुपयोगी हो जाता है। मेरठ से पधारे आचार्य कुलदीप आर्य ने अपने भजनों के माध्यम से सब को प्रभु भक्ति के रस में सराबोर कर दिया। उन्होंने कहा कि यह संसार प्रभु के जीवों को सुख देने के लिए रचा है परंतु फिर भी सारे लोग सुखी तो नहीं हैं क्योंकि जब भी जीवन प्रभु के मार्ग से विचलित होकर विपरीत चलेगा तब-तब उसके जीवन में कष्ट आएंगे। उन्होंने वेद मंत्र का अर्थ करते हुए कहा कि उस परमात्मा को भूल जाना ही अर्थात भक्ति न करना ही मृत्यु आदि दुख का हेतु है। भजनों के माध्यम से प्रभु की स्तुति करते हुए उन्होंने कहा कि ह्यसुख धाम सदा तेरा नाम सदा कोई तुमसा और महान नहीं, सुख के अभिलाषी प्राणी को भगवान भुलाना ठीक नहीं। इस अवसर पर देवेंद्र सिंह सैनी प्रधान, नरेंद्र पाल मिगलानी मंत्री, बलराज सिंह मलिक कोषाध्यक्ष, बलराज सिंह मलिक, रमेश लीखा, गोपीचंद आर्य, सुशील लीखा, आचार्य सुनील गोयल, रामस्वरूप शास्त्री, मान सिंह पाठक, आचार्य देवदत्त, सुरेंद्र रावल, मुनिराम आर्य व कुलदीप ग्रोवर आदि उपस्थित रहे।

## स्वतंत्रता दिवस पर नई अनाज मंडी में लगेगा नि:शुल्क चिकित्सा कैम्प

**हिसार /** नई अनाज मंडी स्थित महाराजा अग्रसैन चैरिटेबल ट्रस्ट अस्पताल में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर 15 अगस्त को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श व मुफ्त दवा वितरण कैम्प लगाया जाएगा जिसमें शहर के सुप्रसिद्ध व अनुभवी चिकित्सकों डॉ. नितिन कौशिक, डॉ. साक्षी, डॉ. प्रिया पाण्डे, डॉ. मोनिका सिंगला, डॉ. उर्वी मित्तल, डॉ. अनुप गोयल, डॉ. पुनीत गोयल द्वारा सभी प्रकार के सामान्य दांत, शूगर, थायरायड, छाती, पेट, चर्म एवं गुप्त रोग, आंख, बच्चों व जोड़ों से संबंधित रोगों की जांच व एचबी, शूगर व ब्लड ग्रुप टैस्ट फ्री करने के साथ दवाईयां भी दी जाएंगी। महाराजा अग्रसैन चैरिटेबल ट्रस्ट अस्पताल के प्रधान अनिल जैन ने बताया कि इस संदर्भ में ट्रस्ट की बैठक नई अनाज मंडी में हुई जिसमें कैम्प की तैयारियों को अंतिम रुप दिया गया। बैठक में जिला प्रधान पवन गर्ग असरावां, मंडी प्रधान राम अवतार अग्रवाल, मंदिर प्रधान अशोक गुप्ता, स्कूल प्रधान अजय सिंगल, कैशियर मनीराम गोयल, सचिव आशीष गर्ग, रमेश जिंदल, धर्मपाल बीडी कॉटन, शिव कुमार, वेदप्रकाश गोयल, लक्ष्मी बंसल, सुरेन्द्र न्यौली, संजय नागपाल, संजय पूर्व प्रधान, वजीर, जगदीश गोदारा आदि भी उपस्थित रहे।

# प्रजापति समुदाय को पुश्तैनी व्यवसाय चलाने के लिए मिलेगा लाभ - कार्तिकेय शर्मा

**-राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने प्रजापति समुदाय के लाभार्थियों को वितरित किए पात्रता प्रमाण पत्र**
**- डीसी अभिषेक मीणा ने की समारोह की अध्यक्षता**

**रेवाड़ी।** हरियाणा सरकार जनता की सेवा के लिए समर्पित है और सभी वर्ग को ध्यान में रखते हुए योजनाएं चला रही है, जिससे आमजन को सीधा लाभ मिल रहा है। मिट्टी से बर्तन और मूर्तियां बनाने की कला हमारी अमूल्य धरोहर है, इसे नियमित रूप से भविष्य में भी बनाये रखने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं से जुड़े हुए लाभान्वित किया जा रहा है। यह बात राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कही। वे बुधवार को बाल भवन सभागार में आयोजित समारोह में प्रजापति समुदाय के पात्र लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीसी अभिषेक मीणा ने की। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र से राज्य स्तरीय समारोह में प्रजापति समाज के लाभार्थियों को पात्रता प्रमाण पत्र वितरित किए वहीं जिला स्तरीय समारोह में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने जिला रेवाड़ी में 67 गांवों के 2801 लाभार्थियों को पात्रता प्रमाण पत्र वितरित कर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि प्रजापति समुदाय के पात्र परिवारों को मिट्टी के बर्तन बनाने, आवा लगाने के लिए आरक्षित की गई भूमि के पात्रता प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए आज वे गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्रजापति समाज के उन लोगों के पास मिट्टी उठाने के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है, ऐसे लोगों को प्रमाण पत्र मिलने के बाद पंचायत भूमि में से पांच एकड़ तक भूमि उपलब्ध करवाई जाएगी ताकि वे इस योजना से अपना पुश्तैनी व्यवसाय चला सके। उन्होंने कहा कि मिट्टी के बर्तन बनाना मात्र एक कला ही नहीं है, बल्कि प्रजापत समाज की कलात्मक सोच है और उनकी कुशलता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि सरकार ने मिट्टी कला बोर्ड का गठन करते हुए कलात्मक वस्तुओं के निर्माण करने वालों को प्रोत्साहन भी दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की अच्छी सोच है, जो प्रत्येक वर्ग के समान रूप से कार्य कर रही है। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन रेवाड़ी की धरती के लिए, हरियाणा के लिए और विशेष रूप से प्रजापति समाज के लिए ऐतिहासिक है। यह सिर्फ एक प्रमाण पत्र वितरण का कार्यक्रम नहीं बल्कि यह हमारे समाज की वर्षों की मेहनत, संघर्ष और उम्मीदों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रजापति समाज का इतिहास हजारों साल पुराना है। जब सभ्यता का आरंभ हुआ था, तब से लेकर आज तक, मिट्टी के बर्तन हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। हमारे पूर्वजों ने मिट्टी से ऐसे बर्तन बनाए जो सिर्फ उपयोगी नहीं थे बल्कि हमारी परंपराओं और विश्वास का प्रतीक थे जैसे मटके में रखा पानी, कुल्हड़ में बनी चाय, दीपावली पर जलने वाले मिट्टी के दीपक, और शादी-ब्याह में इस्तेमाल होने वाले कलश ये सब हमारे समाज की कला और श्रम की अनमोल देन हैं। सांसद ने कहा कि यह प्रमाण पत्र हरियाणा सरकार द्वारा प्रजापति समाज को औपचारिक मान्यता देगा और इसके आधार पर हम सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से कुम्हार समाज के लोगों को जोड़ेंगे और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रजापति समाज के लिए कई ऐतिहासिक फैसले किए हैं। उन्होंने कहा कि 2000 गांवों में जमीन दी जाएगी, ताकि (समाज) को मिट्टी और कच्चा माल आसानी से मिल पाए। मशीनरी और निर्माण पर 15 प्रतिशत सब्सिडी, जिससे काम को आधुनिक बनाया जा सके। शिक्षा में सहयोग के लिए बच्चों को हर साल चार हजार की स्कॉलरशिप, बेटियों की शादी के लिए 51,000 रूपए की आर्थिक सहायता, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग और पंचायती राज संस्थाओं में 8 प्रतिशत आरक्षण किया है। कार्यक्रम में प्रजापति समाज की ओर से रोशन लाल ठेकेदार और के.के प्रजापति ,सुरेश प्रजापति,संजय प्रधान, सहित अन्य गणमान्य लोगों ने राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा व डीसी अभिषेक मीणा,डॉ वंदना पोपली , को मान सम्मान की पगड़ी पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर समाज की ओर से उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष डा.वंदना पोपली, महामंत्री हिमांशु पालीवाल, रतनेश बंसल, एडीसी राहुल मोदी, सीईओ जिला परिषद प्रदीप कुमार व डीडीपीओ नरेन्द्र सारवान सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

## हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता अभियान के तहत ग्रामीणों को किया जा रहा जागरूक

**रेवाड़ी।** जिला के ग्रामीण क्षेत्र में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग नामक अभियान के तहत अनेक गतिविधियां आयोजित कर ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है ताकि देशभक्ति और स्वच्छता को जोड़ते हुए इस अभियान को सफल बनाया जा सके। इस अभियान के तहत गांवों में जागरूकता रैली, सफाई अभियान, पोस्टर मेकिंग, रंगोली व अन्य गतिविधियां आयोजित कर हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया जा रहा है। सीईओ प्रदीप कुमार ने बताया कि स्वतंत्रता का यह पर्व धूमधाम से मनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त तक चलने वाले इस अभियान में राष्ट्रीय ध्वज फहराने और स्वच्छता, जल संरक्षण और जन भागीदारी को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चे, और नागरिक सक्रिय रूप से अभियान में शामिल होकर 15 अगस्त से पहले एकता, गौरव और नागरिक जिम्मेदारी के संदेश को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिले के हर गांव में स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान के तहत ग्रामीणों को गांव की स्वच्छता समिति, स्वयं सहायता समूह, नेहरू युवा केंद्र क्लबों के युवा और पंचायत सदस्यों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत ग्रामीण आंचल में सार्वजनिक स्थानों जल एवं स्वच्छता सुविधाओं पर स्वच्छता रैली के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है, जिसमें गांवों की सफाई और सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

## बेरी मे आज निकाली जाएगी भव्य तिरंगा यात्रा : एसडीएम

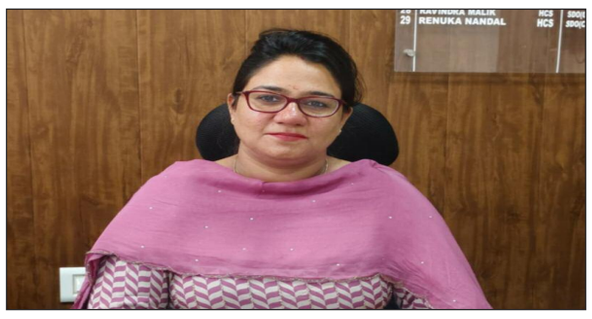

**बेरी, (झज्जर) ।** सरकार के निदेर्शानुसारे` हर घर तिरंगा अभियान के तहत आज (14 अगस्त) गुरुवार को विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए एसडीएम रेणुका नांदल ने बताया तिरंगा यात्रा सुबह 9 बजे भागलपुरी चौक स्थित खेल स्टेडियम से शुरू शिव चौक, बस स्टैंड से होते हुए हर्बल पार्क पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि हर्बल पार्क से तिरंगा यात्रा वापिस बस स्टैंड के साथ लगते माता भीमेश्वरी देवी के मंदिर पहुंचकर संपन्न होगी। एसडीएम रेणुका नांदल ने बेरी क्षेत्रवासियों से तिरंगा यात्रा में भाग लेने का आह्वान किया।

## योजनाओं के तहत चल रहे निर्माण कार्यो को शीघ्र पूरा करवाएं -प्रदीप कुमार

**-सीईओ प्रदीप कुमार ने डीआरडीए और जिला परिषद के कार्यो व योजनाओं की समीक्षा**

**रेवाड़ी।** मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कुमार ने लघु सचिवालय कार्यालय में डीआरडीए और जिला परिषद के कार्यों व योजनाओं की समीक्षा की। प्रदीप कुमार ने संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि विभाग के द्वारा क्रियान्वित की जा रही सभी योजनाओं की अपडेट रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने मनरेगा के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की स्थिति के बारे में जानकारी ली और कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मनरेगा स्कीम के तहत किये जा रहे कार्यो का निरीक्षण भी किया जाएगा। एमजीजीबीवाई पर भी विचार विमर्श किया गया और निर्देश दिए कि जिन बस्तियों में सडके व बिजली उपलब्ध नहीं वहां जल्द से जल्द सडके बनवाई जाएं और बिजली मुहैया करवाई जाए। उन्होंने पीएचसी, सीएचसी व सब हैल्थ सेंटर के चल रहे निर्माण कार्यो को भी शीघ्र पूरा करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यो में प्रयोग की जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाएं, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। बैठक में कार्यकारी अभियंता नरेन्द्र गुलिया, कनिष्ठद्द अभियंता अरविंद व आयुष यादव, लेखा अधिकारी अश्वनी कुमार, सहायक परियोजना अधिकारी अर्जुन लाल, एबीपीओ मनरेगा विपिन आर्य, सहायक राजेश कुमार व विरेन्द्र सिंह, पीओ सचिन, सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

## कैबिनेट मंत्री ने कुम्हार/प्रजापति समुदाय को शामलात भूमि से मिट्टी खनन हेतु अधिकार प्रमाण पत्र किए वितरित

**हिसार /** हरियाणा सरकार द्वारा कुम्हार/प्रजापति समुदाय के पारंपरिक व्यवसाय को बढ़ावा देने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत की भूमि से मिट्टी खनन/मिट्टी कला से जुड़े विभिन्न कार्यों हेतु अधिकार प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम बुधवार को प्रदेशभर में आयोजित किए गए। राज्य स्तर पर यह कार्यक्रम कुरुक्षेत्र जिले में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया, जिसमें कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कुम्हार/प्रजापति समुदाय के पात्र लाभार्थियों को पंचायती/शामलात भूमि से मिट्टी खनन व मिट्टी कला के विभिन्न कार्यों हेतु अधिकार प्रमाण पत्र वितरित करने के उपरांत दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निदेर्शानुसार शुरू हुई इस पहल के तहत पात्र परिवारों को उनके पारंपरिक व्यवसाय को मजबूती देने के लिए यह अधिकार प्रमाण पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने सरकार की योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि हरियाणा सरकार कुम्हार/प्रजापति समाज के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इस योजना का उद्देश्य न केवल इन परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराना है, बल्कि पारंपरिक कला और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित व प्रोत्साहित करना भी है। कैबिनेट मंत्री गंगवा ने बताया कि राज्य सरकार ने इस योजना के तहत प्रदेशभर के 1671 गांवों में 98 हजार 803 परिवारों को लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अंतर्गत 1199 एकड़ 2 कनाल 13 मरले शामलात भूमि आवंटित की जा रही है, जिससे पात्र परिवार अपने पारंपरिक व्यवसाय के लिए मिट्टी खनन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि हिसार जिले में 197 गांवों के 23 हजार 811 परिवारों को 144 एकड़ 6 कनाल 10 मरले भूमि पर मिट्टी खनन का अधिकार प्रदान किया गया है। कैबिनेट मंत्री ने जिला हिसार में खंडवार लाभार्थियों का विवरण देते हुए बताया कि आदमपुर खंड के 17 गांवों के 1094 परिवार, अग्रोहा के 20 गांवों के 1668 परिवार, बरवाला के 29 गांवों के 4140 परिवार, हांसी प्रथम के 26 गांवों के 2434 परिवार, हांसी द्वितीय के 19 गांवों के 710 परिवार, हिसार प्रथम के 28 गांवों के 4471 परिवार, हिसार द्वितीय के 29 गांवों के 5983 परिवार, नारनौंद के 20 गांवों के 1511 परिवार तथा उकलाना के 9 गांवों के 1800 परिवार इस योजना से लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि यह योजना कुम्हार/प्रजापति समाज के लिए एक ऐतिहासिक कदम है, जिससे हजारों परिवारों को रोजगार और आत्मनिर्भरता का अवसर मिलेगा। पारंपरिक रोजगार को नई ऊर्जा और पहचान देने के साथ-साथ यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगी। गंगवा ने लाभार्थियों से अपील की कि वे इस अवसर का पूर्ण उपयोग करें और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाकर नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनें।

## स्वतंत्रता दिवस समारोह की फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल आयोजित

**हिसार /** उपायुक्त अनीश यादव ने बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरी सेंटर में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह की फाइनल रिहर्सल के दौरान ध्वजारोहण किया तथा परेड़ की सलामी ली। उन्होंने मार्च पास्ट करने वाली टुकडिड्डों का निरीक्षण भी किया। इससे पूर्व उपायुक्त अनीश यादव, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन तथा अतिरिक्त उपायुक्त सी जयाश्रद्धा ने लघु सचिवालय परिसर के नजदीक स्थित शहीद स्मारक पर वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।15 अगस्त को जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण और अंत्योदय मंत्री कृष्ण कुमार बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। इसी प्रकार उपमंडल स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें हांसी उपमंडल स्तर पर विधायक विनोद भयाणा, बरवाला में हिसार विधायक सावित्री जिंदल, नारनौंद में नलवा विधायक रणधीर पनिहार ध्वजारोहण करेंगे। उपायुक्त ने समारोह के आयोजन को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। फाइनल रिहर्सल के दौरान हरियाणा पुलिस (पुरूष व महिला), होम गार्ड, एनसीसी सीनियर-जूनियर तथा स्काउट्स गाइड की टुकडिड्डों द्वारा शानदार मार्च पास्ट निकाला गया। समारोह में डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने देशभक्ति कोरियोग्राफी, राजकीय वरिष्ठद्द माध्यमिक विद्यालय पटेल नगर के विद्यार्थियों ने राष्ट्रद्दगान व भंगड़ा, जिला कल्याण केंद्र के विद्यार्थियों ने मिक्स पैरोडी, पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गंगवा के विद्यार्थियों ने देशभक्ति नृत्य, सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने राजस्थानी डांस, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने हरियाणवी डांस सहित विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इसके अतिरिक्त पीएसआई गौतमकुमार के नेतृत्व में प्लाटून जिला पुलिस (पुरूष वर्ग), एएसआई सुमन के नेतृत्व में प्लाटून जिला पुलिस (महिला वर्ग), एएसआई सुबे सिंह के नेतृत्व में प्लाटून हरियाणा राज्य पुलिस, एसआई रमेश कुमार के नेतृत्व में प्लाटून होमगार्ड, एनसीसी थ्री हरियाणा सीनियर डीविजन (लडके-लडकी), एनसीसी गर्ल्स सीनियर डीविजन, एनसीसी एयर विंग, राजकीय वरिष्ठद्द माध्यमिक विद्यालय पटेल नगर व राजकीय वरिष्ठद्द माध्यमिक विद्यालय जहाजपुल (गाईड गर्ल्स), स्कवाइड लडके तथा एनसीसी थ्रीहरियाणा जूनियर डीविजन द्वारा मार्च पास्ट किया गया।

# युवा शक्ति का समाज व देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान - डीसी

**- नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिला में ली गई शपथ**
**- बाल भवन में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा व अनाज मंडी में डीसी अभिषेक मीणा ने दिलाया नशा न करने का संकल्प**

**रेवाड़ी।** समाज कल्याण एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) की पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर रेवाड़ी जिला प्रशासन की ओर से शैक्षणिक संस्थानों सहित अन्य जागरूकता कार्यक्रमों में नशा मुक्त अभियान को समर्पित शपथ दिलाई गई। बाल भवन में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा व अनाज मंडी में डीसी अभिषेक मीणा ने नशा न करने का संकल्प आमजन को दिलाया गया। बाल भवन में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने आमजन को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ शपथ दिलाई। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सभी ने एकजुट होकर न केवल समुदाय, परिवार, मित्र, बल्कि खुद भी नशा न करने की शपथ ली। आज हम एकजुट होकर नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक प्रतिज्ञा लेते हैं की ना केवल हमारे समुदाय, परिवार, दोस्त बल्की खुद को नशा मुक्त बनाएंगे क्योंकि परिवर्तन भीतर से शुरू होता है, इसलिए हम सब मिलकर अपने भारत को नशा मुक्त बनाने का संकल्प ले। डीसी अभिषेक मीणा ने अनाज मंडी में शपथ दिलाते हुए युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि युवा राष्ट्र की ऊर्जा होते है तथा युवा शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ-साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। नशा मुक्त भारत अभियान में सर्वाधिक संख्या में युवा जुड़ते हुए देश की इस चुनौती को नशा न करने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को नशीली दवाओं की लत से दूर रखना है। जिससे व्यक्ति की मौत समय से पहले ही हो जाती है। शपथ कार्यक्रम के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी रेणु बाला ने विभागीय गतिविधियों से अवगत कराया।

# रोहित शर्मा वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे, पाकिस्तानी बल्लेबाज को पछाड़ा

**दुबई (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के पावर-हिटर टिम डेविड और दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस ने आईसीसी टी20आई रैंकिंग में भारी बढ़त हासिल की है। दूसरी तरफ पाकिस्तान के शीर्ष बल्लेबाज बाबर आजम तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं, जिससे भारत के वनडे कप्तान रोहित शर्मा दूसरे स्थान पर आ गए हैं।

डेविड दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, पुरुषों की टी20ई बल्लेबाजी रैंकिंग में छह स्थानों की छलांग लगाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके हमवतन कैमरन ग्रीन भी इसी सूची में छह स्थानों की छलांग लगाकर 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के युवा ब्रेविस डार्विन में अपने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन की बदौलत 100 रैंकिंग से बाहर रहने के बाद 21वें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने 125* रनों की धमाकेदार पारी खेलकर प्रोटियाज को तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर करने में मदद की। अपने पहले टी20आई शतक के साथ ब्रेविस ने दक्षिण अफ्रीका के लिए किसी खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सर्वोच्च स्कोर का रिकॉर्ड बनाया। यह उनका इस प्रारूप में अपने देश के लिए नौवां मैच था। उनके साथी ट्रिस्टन स्टब्स टी20आई बल्लेबाजों की सूची में 12 पायदान की छलांग लगाकर 27वें स्थान पर पहुंच गए।

टी20आई गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड तीन पायदान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए। इस बीच दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा 15 पायदान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर और लुंगी एनगिडी 14 पायदान ऊपर चढ़कर 50वें स्थान पर पहुंच गए।

पुरुषों की टेस्ट रैंकिंग की बात करें तो न्यूजीलैंड के कई खिलाड़ियों ने घर से बाहर जिम्बाब्वे पर 2-0 से सीरीज जीतने के बाद सफलता का स्वाद चखा। अनुभवी तेज गेंदबाज मैट हेनरी को 9.12 की औसत से 16 विकेट लेने के बाद प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्होंने अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की और टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए जिससे ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस चौथे स्थान पर खिसक गए।

बल्लेबाजों की श्रेणी में रचिन रवींद्र (15 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर), डेवोन कॉनवे (सात स्थान ऊपर चढ़कर 37वें स्थान पर) और हेनरी निकोल्स (छह स्थान ऊपर चढ़कर 47वें स्थान पर) को जिम्बाब्वे में उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला।

वनडे सूची में पाकिस्तान के शीर्ष क्रम के स्टार बाबर वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसक गए। अपनी बेहतरीन तकनीक के लिए मशहूर बाबर ने तीन मैचों में 18.66 की औसत से 56 रन

बनाए। रोहित शर्मा दूसरे नम्बर पर जबकि शुभमन गिल पहले स्थान पर कायम हैं।

वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में वेस्टइंडीज के स्पिनर गुडाकेश मोती श्रृंखला के पहले दो मैचों में एक-एक विकेट लेने के बाद पांच पायदान की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच गए। उनके साथी और कैरेबियाई टीम के तेज गेंदबाज जेडन सील्स 24 पायदान की छलांग लगाकर 33वें स्थान पर पहुंच गए। इस बीच पाकिस्तान के मुख्य स्पिनर अबरार अहमद तीन पायदान चढ़कर 54वें स्थान पर पहुंच गए।

# आईओए ने भारत में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए दी मंजूरी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए देश की बोली को बुधवार को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी। आज यहां आयोजित आईओए की विशेष आम बैठक (AGM) में यह फैसला लिया गया। भारत ने 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए पहले ही रुचि पत्र जमा कर दिया था और अब उसके पास अंतिम बोली प्रस्ताव दाखिल करने के लिए 31 अगस्त तक का समय है।

बैठक के बाद IOA अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, 'मुझे खुशी है कि सभी एकमत हैं और यह सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय है और हमारी तैयारियां आगे बढ़ेंगी। हम यह नहीं कह सकते कि अहमदाबाद मेजबानी शहर होगा या नहीं। हमारे पास भुवनेश्वर और दिल्ली में भी अच्छी सुविधाएं हैं।' भारत के अलावा, नाइजीरिया, कनाडा और दो अन्य देशों ने भी इस बहु-खेल आयोजन की मेजबानी में रुचि दिखाई थी। हालांकि कनाडा ने इस वर्ष जून में इस दौड़ से अपना नाम वापस ले लिया था।

खेल निदेशक डैरेन हॉल के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल खेलों के अधिकारियों की एक टीम ने हाल ही में प्रस्तावित आयोजन स्थलों का निरीक्षण करने और गुजरात सरकार के प्रतिनिधियों से मिलने के लिए अहमदाबाद का दौरा किया। इस महीने के आखिर में एक बड़े प्रतिनिधिमंडल के आने की उम्मीद है। 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अंतिम मेजबान देश का फैसला ग्लासगो में नवंबर के अंतिम सप्ताह में राष्ट्रमंडल खेल की आम बैठक होगा।

# जेडन सील्स ने डेल स्टेन का रिकॉर्ड किया ध्वस्त, पाकिस्तान के 6 बल्लेबाजों का लिया विकेट

**मैनचेस्टर (एजेंसी)।** वेस्टइंडीज ने तीसरे वनडे मैच में पाकिस्तान पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज टीम ने 3 साल के बाद वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। जेडेन सील्स की कालितान गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान के खिलाफ वेस्टइंडीज ने धमाकेदार जीत अपने नाम की। वहीं इस दौरान सील्स ने दिग्गज गेंदबाज डेल स्टेन का 12 साल पुराना बड़ा रिकॉर्ड ध्वस्त किया है। जेडेन सील्स ने अपने वनडे करियर का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े दर्ज किए। वेस्टइंडीज के इस गेंदबाज ने पाकिस्तान की पूरी टीम को 29.2 ओवर में 92 के स्कोर पर समेट दिया था। जेडेन सील्स ने 7.2 ओवर में 18 रन देकर 6 विकेट लिए। उनकी इस खतरनाक गेंदबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को सिर्फ92 रनों पर ढेर कर दिया। सील्स ने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे में सबसे बेहतर बॉलिंग आंकड़े दर्ज किए। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन का 2013 में बनाया गया रिकॉर्ड तोड़ा। डेल स्टेन ने 9 ओवर में 39 रन देकर 6 विकेट लिए थे। 295 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही उसने तीसरे ओवर में मात्र आठ रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिए। सैम अयूब, अब्दुल्लाह शफीक और कप्तान मोहम्मद

रिजवान को जेडेन सील्स को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। सील्स का अगला शिकार बाबर आजम बने। आगा सलमान ने अपनी टीम के लिए सर्वाधिक 30 रनों की पारी खेली। उन्हें गुडाकेश मोती ने अपनी गेंद पर कैच आउट किया। हसन नवाज और नसीम शाह 6 रन बनाकर आउट हुए।

# पाकिस्तान को करारी शिकस्त देकर वेस्टइंडीज ने खत्म किया 34 साल का सूखा

**टरूबा (एजेंसी)।** वेस्टइंडीज ने त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए तीसरे और निर्णायक वनडे में पाकिस्तान को 202 रन से रौंद दिया। इसके साथ ही विंडीज टीम ने सीरीज भी 2-1 से अपने नाम की। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने कप्तान शाई होप के नाबाद शतक के दम पर 50 ओवर में छह विकेट पर 294 रन बनाए। जवाब में मोहम्मद रिजवान की अगुआई वाली पाकिस्तान की टीम 29.2 ओवर में 92 रन पर सिमट गई।

तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला पाकिस्तान ने पांच विकेट से जीता था। इसके बाद दूसरे वनडे को वेस्टइंडीज ने डकवर्थ लुईस नियम से पांच विकेट से अपने नाम किया था। इसके साथ ही वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान से मिली टी20 सीरीज में हार का बदला भी ले लिया। तीन मैचों की टी20 सीरीज पाकिस्तान ने 2-1 से अपने नाम की थी। शतवीर होप को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, सीरीज में तीन मैचों में सबसे ज्यादा 10 विकेट लेने वाले जेडन सील्स प्लेयर

ऑफ द सीरीज बने।

पाकिस्तान के कप्तान रिजवान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही थी। ब्रैंडन किंग पांच रन बनाकर ही पवेलियन लौट गए थे। इसके बाद एविन लुईस और केसी कार्टी ने दूसरे विकेट के लिए 47 रन जोड़े। लुईस 54 गेंद में एक चौका और तीन छक्कों की मदद से 37 रन और कार्टी 17 रन बनाकर आउट हुए। फिर कप्तान होप ने शेरफेन रदरफोर्ड के साथ चौथे विकेट के लिए 45 रन जोड़े। रदरफोर्ड 40 गेंद में 15 रन बना सके। इसके बाद चेज ने होप के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 64 रन जोड़े।

चेज ने 29 गेंद में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से 36 रन की तेजतर्रार पारी खेली। इगुडाकेश मोती पांच रन बना सके। वहीं, होप ने फिर जस्टिन ग्रीव्स के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 110 रन की अटूट साझेदारी कर वेस्टइंडीज को 294 के स्कोर तक पहुंचाया। होप ने वनडे करियर का 18वां शतक पूरा किया। वह 94 गेंद में 10 चौके और पांच छक्कों की मदद से 120 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, ग्रीव्स ने 24 गेंद में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 43 रन की नाबाद पारी खेली। पाकिस्तान की ओर से नसीम शाह और अबरार अहमद को दो-दो विकेट मिले। वहीं, सैम अयूब और मोहम्मद नवाज को एक-एक विकेट मिला।

जवाब में पाकिस्तान के शीर्ष चार फ्लॉप रहे। टीम के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। इनमें से पांच बल्लेबाज तो खाता तक नहीं खोल सके। टीम 29.2 ओवर में 92 रन पर सिमट गई। सैम अयूब, अब्दुल्लाह शफीक, कप्तान रिजवान, हसन अली और अबरार अहमद खाता नहीं खोल सके। वहीं, बाबर आजम नौ रन बना सके। सलमान आगा 30 रन, हसन नवाज 13 रन और मोहम्मद नवाज नाबाद 23 रन ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। हुसैन तलत एक रन और नसीम शाह छह रन बनाकर आउट हुए। वेस्टइंडीज की ओर से जेडन सील्स ने 7.2 ओवर में 18 रन देकर छह विकेट लिए। इसके अलावा मोती को दो विकेट मिले। चेज ने एक विकेट लिया।

## पाकिस्तान बनाम वेस्टइंडीज : शतक के साथ शाई होप ने हासिल कर ली यह उपलब्धि

टरूबा। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में नाबाद शतक जड़ते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। शाई होप वेस्टइंडीज की ओर से वनडे फॉर्मेट में 18 शतक जड़ने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। वह सर्वाधिक शतकों के मामले में तीसरे स्थान पर मौजूद हैं। सबसे ज्यादा वनडे शतक जड़ने वाले वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों की लिस्ट में शाई होप से ऊपर क्रिस गेल और ब्रायन लारा का नाम है। गेल ने 298 मुकाबलों में 25 शतक, जबकि ब्रायान लारा ने 295 मैचों में 19 शतक अपने नाम किए थे। शाई होप ने यह शतकीय पारी उस समय खेली, जब वेस्टइंडीज को इसकी बेहद जरूरत थी। पाकिस्तान तीन मुकाबलों की सीरीज का पहला मैच अपने नाम कर चुका था, जिसके बाद वेस्टइंडीज ने अगला मुकाबला जीतकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। ऐसे में तीसरा और अंतिम मुकाबला निर्णायक बन गया। त्रिनिदाद में टॉस हारकर बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्टइंडीज की टीम महज 68 रन तक अपने तीन विकेट गंवा चुकी थी। यहां से शाई होप ने कप्तानी पारी खेलते हुए टीम को संभाला। शाई होप ने शेरफेन रदरफोर्ड (15) के साथ तीसरे विकेट के लिए 45 रन जोड़े। वहीं, जस्टिन ग्रीव्स के साथ उन्होंने 110 रन की अटूट साझेदारी करते हुए वेस्टइंडीज की पारी को 294/6 के स्कोर तक पहुंचाया। शाई होप ने 83 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह उनके वनडे करियर का 18वां शतक था, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ यह उनका दूसरा वनडे शतक था। शाई होप ने इस पारी में 94 गेंदों का सामना किया, जिसमें पांच छक्कों और 10 चौकों के साथ 120 रन बनाए, जबकि ग्रीव्स 24 गेंदों में 43 रन बनाकर नाबाद रहे।

# हरभजन ने एशिया कप में पाकिस्तान से मैच का बहिष्कार करने की अपील की

नई दिल्ली। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच का बहिष्कार करने की मांग तेज होती जा रही है। कई क्रिकेट प्रशंसकों के बाद अब पूर्व स्पिनर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने भी कहा है कि इस मैच को नहीं खेलना चाहिये। एशिया कप में भारत और पाक का मुकाबला 14 सितंबर को होना है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच जारी तनाव के कारण पाक से क्रिकेट मैच का विरोध किया जा रहा है। हरभजन ने कहा, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। हम उनको इतना

महत्व क्यों देते हैं? हमारे जवान घर नहीं आते और हम क्रिकेट खेलने चले जाते हैं। हरभजन ने हाल में हुई विश्व चैंपियनशिप ऑफ लिजेंड्स में भी पाक के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने की मांग की थी और इंडिया चैम्पियंस टीम ने पाक से सभी मैचों का बहिष्कार किया था। इसमें सेमीफाइनल मैच भी शामिल था। इंडिया लिजेंड्स में हरभजन सिंह के अलावा युवराज सिंह, शिखर धवन, इरफान पठान, यूसुफ पठान, सुरेश रैना जैसे पूर्व क्रिकेटर शामिल थे। इन भी ने कहा कि देश पहले है। वह फाइनल भी होता तो पाकिस्तान से नहीं खेलते। वहीं जब हरभजन से यह पूछा गया कि क्या एशिया कप में भारत को पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार करना चाहिए तो उन्होंने देश के लिए अपना सब कुछ बलिदान करने वाले जांबाजों का उदाहरण दिया। उनका जवाब था, 'मेरे लिए हमारे देश का वो जवान जो सीमा पर खड़ा हुआ है, उनका परिवार कई दिनों तक उनको नहीं देख पाता है। उनका सर्वोच्च बलिदान हो जाता है, वो घर वापस नहीं लौट पाते हैं। उनका इतना बड़ा बलिदान होता है, वहीं हम एक क्रिकेट मैच छोड़ने पर भी फैसला नहीं कर पाये हैं।' उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का भी तो यही रुख है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। देश सबसे पहले आता है। क्रिकेट मैच न खेलना बहुत मामूली चीज है देश के सामने। उन्होंने उम्मीद जताई कि सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार करेगी।

# यास्तिका और राधा चमकी, भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को तीन विकेट से हराया

**ब्रिस्बेन (एजेंसी)।** यास्तिका भाटिया के अर्धशतक और कप्तान राधा यादव की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ए ने बुधवार को यहां पहले महिला एकदिवसीय क्रिकेट मैच में आस्ट्रेलियाई टीम को 48 गेंद शेष रहते हुए तीन विकेट से हरा दिया। इस जीत से भारत अब तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे हो गया है।

बाएं हाथ की स्पिनर राधा ने 45 रन देकर तीन विकेट लिए, जिससे भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को 47.5 ओवर में 214 रन पर समेट दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद भाटिया (70 गेंदों पर 59 रन) की अगुवाई में बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन से 42 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। भाटिया ने

शेफाली वर्मा (31 गेंदों पर 36 रन) के साथ अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए केवल 10.4 ओवर में 77 रन जोड़े।

शेफाली के सियाना जिंजर की गेंद पर आउट होने के बाद भाटिया ने धारा गुज्जर (53 गेंदों पर 31 रन) के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 63 रन जोड़े जिससे भारत ने 23.3 ओवर में एक विकेट पर 140 रन बना लिए। लेकिन गुज्जर और भाटिया जल्दी-जल्दी आउट हो गई, जिससे भारत ए का स्कोर तीन विकेट पर 157 रन हो गया।

ऑफ स्पिनर एला हेवर्ड (46 रन पर दो विकेट) ने फिर 30वें और 32वें ओवर में तेजल हसब्निस और तनुश्री सरकार को आउट कर दिया, जिससे मेहमान टीम का स्कोर पांच विकेट पर 166 रन हो गया। राघवी बिष्ट (34 गेंदों पर नाबाद 25 रन) ने ऐसे समय में जिम्मेदारी संभाली और टीम को लक्ष्य तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे पहले अनिका लियरयोड (90 गेंदों पर नाबाद 92 रन) और रशेल ट्रेनमैन (62 गेंदों पर 51 रन) की ठोस पारियों के बावजूद ऑस्ट्रेलिया बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहा।

# ईडी के सामने पेश हुए सुरेश रैना

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रेना बुधवार को ऑनलाइन बेटिंग ऐप (अवैध सट्टेबाजी) मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। ईडी ने रैना को पूछताछ के लिए नोटिस दिया था। जिसके बाद ही वह आज पूछताछ के लिए ईडी मुख्यालय पहुंचे। रैना

इस ऑनलाइन बेटिंग ऐप के ब्रांड एंबेसडर हैं और ईडी इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है। पुलिस ने यह भी पाया है कि ये ऐप्स सीधे तौर पर कानूनों का उल्लंघन करते हैं। ईडी के अनुसार रैना का नाम इस मामले में उनके कुछ विज्ञापनों और एंडोर्समेंट्स के कारण जोड़ा जा रहा है। ईडी की टीम ने पूछताछ में रैना से ऑनलाइन ऐप के साथ उनके संबंधों, एंडोर्समेंट डील और किसी भी वित्तीय लेन-देन की पूरी जानकारी मांगी है। यह पूछताछ 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट' के तहत हुई। जांच में यह सामने आया है कि जब ऐप यूजर द्वारा पेमेंट की जाती थी तो रोजाना रिसीवर का नाम और ब्यौरा बदल जाता था, लेकिन बाद में पैसा ऑनलाइन ऐप अकाउंट में पहुंच जाता था। इसी कारण ईडी को संदेह हुआ। इस ऐप के जरिए पैसा विदेश भेजा जा रहा था। इस प्रकार से जुड़े मामलों में रैना के अलावा कई अन्य हस्तियों के नाम भी सामने आए हैं। ईडी की जांच का दायरा कई करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स चोरी तक फैला हुआ है। जांच एजेंसी इन प्लेटफॉर्म्स के सभी प्रमोटर्स और उनसे जुड़े तमाम लोगों से पूछताछ कर रही है। वहीं यह प्लेटफॉर्म अपने को कौशल-आधारित खेलों की मेजबानी करने वाला प्लेटफॉर्म बताता है, पर इनमें ऐसे एल्गोरिथम का इस्तेमाल किया गया है, जो मौजूदा भारतीय कानूनों के तहत उन्हें जुए की श्रेणी में रखते हैं। ऑन लाइन ऐप ने भी रैना को गेमिंग एम्बेसडर बनाते हुए उन्हें जिम्मेदारर एंबेसडर बताया था।

# आईसीसी की दो स्तरीय प्रणाली का विरोध करेगा वेस्टइंडीज बोर्ड : क्रिस डेहरिंग

**जमैका (एजेंसी)।** वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड इस बात से चिंतित है कि अगर आईसीसी ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लूटीसी) के लिए दो स्तरीय प्रणाली अपनायी तो वह शीर्ष टीमों से बाहर हो जाएगी। इसका कारण है कि अभी तक डब्लूटीसी के तीनों संस्करणों में वेस्टइंडीज की टीम आठवें स्थान पर रही है और इस बार भी उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीनों टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा है जिससे वह काफी पीछे हो गयी है। क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुख्य कार्यकारी क्रिस डेहरिंग ने कहा है कि हितधारककों ने भी इस बारे में अपनी बात रखी है। इस बारे में हुई बैठक के बाद डेहरिंग ने कहा, ' हमें इस बारे में भूमिका अदा करनी होगी, हमें आईसीसी के सामने अपनी बात रखनी होगी। हमें उन तमाम बदलावों को लेकर अधिक सावधान रहना होगा और वेस्टइंडीज क्रिकेट के रूप में हमें यह तय करना होगा कि हम दो स्तरीय प्रणाली का सख्त विरोध करें।

इससे पहले आईसीसी ने न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रोजर टूज के नेतृत्व में एक कार्यसमूह (वर्किंग ग्रुप) का गठन किया था जिसका लक्ष्य 2025-2027 के चक्र से पहले डब्ल्यूटीसी में सुधार सहित अन्य मुद्दों पर विचार करना था। जुलाई में आयोजित आईसीसी की वार्षिक बैठक में दो स्तरीय प्रणाली लागू करने का मामला सबसे अहम पहलू था। वहीं आईसीसी बोर्ड में न्यूजीलैंड क्रिकेट के प्रतिनिधि टूज के बोर्ड को सुझाव देने की उम्मीदें हैं। दो स्तरीय प्रणाली पर पिछले 15 वर्षों से भी अधिक समय पर बहस चल रही है, आईसीसी ने साल 2009 में ही इस पर विचार करने की इच्छा व्यक्त की थी पर तब पूर्ण सदस्य देश विभिन्न कारणों से इस मामले पर सहमत नहीं रहे हैं। वेस्टइंडीज बोर्ड की आपात बैठक में क्लाइव लॉयड, ब्रायन लारा और विव रिचर्ड्स जैसे पूर्व क्रिकेटर भी शामिल थे और लॉयड ने आईसीसी द्वारा सदस्य देशों को दिए जाने वाले वित्तीय हिस्से की ओर इशारा करते हुए कहा कि 70 और 80 की दशक में शीर्ष टीम और 90 के दशक में एक सफल टीम रही वेस्टइंडीज अपने प्रदर्शन में आई गिरावट के बाद भी आर्थिक सहायता की अधिकारी है।

लॉयड ने कहा, 'हमें यह देखने होगा कि आईसीसी में पैसे के बंटवारे को लेकर क्या हो रहा है। भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को 18 करोड़ मिलेंगे जबकि वेस्टइंडीज को अफगानिस्तान और बांग्लादेश की तरह 8 करोड़ मिलेंगे। हम अगले 100 वर्ष तक उस ग्रुप में बने रहने से सिर्फ दो साल दूर हैं। मेरे विचार में यह सही नहीं है और हमें आवाज उठानी होगी क्योंकि जब हम अच्छा खेल रहे थे तो हर कोई हमारे साथ खेलना चाहता था। लॉयड ने आगे कहा, 'हम नियमित तौर पर ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से खेला करते थे और जब हम भारत या पाकिस्तान जाते थे तो मैदान पर लाखों की भीड़ एकत्रित होती थी। जिसका लाभ हमें अब मिलना चाहिये।

# सुप्रीम कोर्ट ने सुशील कुमार की जमानत रद्द की, एक सप्ताह में सरेंडर करने के आदेश

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार को करारा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सुशील कुमार की जमानत रद्द करते हुए उन्हें एक सप्ताह में सरेंडर करने का आदेश दिया है। सुशील जूनियर पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मुख्य आरोपी हैं। शीर्ष अदालत की एक पीठ ने सागर के पिता अशोक धनखड़ की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा सुशील को दी गई जमानत रद्द करते हुए उन्हें एक सप्ताह में सरेंडर करने के लिए कहा है। सागर के पिता ने सुशील को जमानत दिये जाने के हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। सागर की हत्या 4 मई 2021 को दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम के पार्किंग क्षेत्र में हुए झगड़े में हुई थी। इस दौरान उनके दो दोस्तों पर भी हमला हुआ था। आरोप है कि यह हमला सुशील कुमार और उनके साथियों ने संपत्ति विवाद के कारण किया गया। सागर हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया और अस्पताल में उसकी मौत हो गयी थी। वहीं उसके साथी भी गंभीर रुप से घायल हुए। इस मामले के बाद सुशील कुमार फरार हो गये थे। उन्हें दिल्ली पुलिस ने 23 मई 2021 को मुंडका इलाके से गिरफ्तार किया था। तब सुशील एक राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी की स्कूटी पर रकम लेने पहुंचे थे। गिरफ्तारी के बाद उनसे उन्हें रेलवे की नौकरी से निलंबित कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। अक्टूबर 2022 में कई धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत उनपर आरोप तय किए गए। दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में सुशील को साजिश का मास्टरमाइंड बताया। पुलिस ने दावा किया कि उन्होंने कुश्ती जगत में अपना दबदबा कायम करने के लिएही ये हमला करवाया। वहीं सुशील ने इन आरोपों से इनकार किया और कहा कि वे पहले ही साढ़े तीन साल जेल में रहे हैं। मुकदमे में अब तक 222 में से केवल 31 गवाहों के बयान दर्ज हुए हैं। इन्हीं आधारों पर दिल्ली हाईकोर्ट ने मार्च 2024 में उन्हें जमानत दी थी, जिसे शीर्ष अदालत ने रद्द कर दिया है। गौरतलब है कि सुशील कुमार ने बीजिंग ओलंपिक 2008 में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने लंदन ओलंपिक 2012 में रजत पदक जीता था। वहीं एशियाई खेलों में उनके नाम स्वर्ण पदक है। इसके अलावा भी इस पहलवान के नाम कई कुश्ती स्पर्धाओं में पदक हैं।

# वो पल हमेशा यादगार रहेगा, गावस्कर ने साझा किया एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पसंदीदा क्षण

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** हाल ही में हुई इंग्लैंड और भारत के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी ने प्रशंसको को कई रोमांचक पल दिए। लॉर्ड्स में अंतिम दिन इंग्लैंड की जीत से लेकर ओवल में भारत की जीत तक। यह एक ऐसी सीरीज थी जिसे आने वाले वर्षों तक याद रखा जाएगा। अंततः ट्रॉफी दोनो टीमों ने 2-2 से बराबरी पर साझा की। जिसमें मेन इन ब्लू ने ओवल में पांचवे टेस्ट में 6 रन से रोमांचक जीत दर्ज की।

मोहम्मद सिराज ही थे जिन्होंने फाइनल मैच में मेहमान टीम के लिए उत्प्रेरक का काम किया। उन्होंने 103 रन देकर 5 विकेट लिए और गस एटकिंसन के रूप में मैच का आखिरी विकेट लिया। सिराज ने एक शानदार यॉर्कर से बल्लेबाज को आउट किया जिससे उनके विकेट बिखर गए और भारत ने एक शानदार जीत दर्ज की। भारत के दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के इस पल को अपना सबसे पसंदीदा पल बताया। उन्होंने कहा कि यह पल भारतीय प्रशंसको को लंबे समय तक याद रहेगा। सुनील गावस्कर ने कहा, 'श्रृंखला में कई यादगार पल होंगे। गिल की बल्लेबाजी बहुत कम ही आपको इतनी शुद्ध बल्लेबाजी देखने को मिलती है और उनकी कप्तानी, स्टोक्स का बल्ले और गेंद दोनों से अद्भुत प्रयास, भारतीय तेज गेंदबाजो के मैराथन स्पैल, जो रूट के शानदार शतक, ऋषभ पंत की बल्लेबाजी, जैसा कि केवल वह कर सकते है, और हैरी ब्रुक की भी, और दोनो की चहचहाहट भी, जैसा कि केवल वे ही कर सकते है।' गावस्कर ने आगे कहा 'लेकिन मोहम्मद सिराज की यॉर्कर हमेशा याद रहेगी जिसने गस एटकिंसन का ऑफ स्टंप उड़ा दिया और भारत को जीत दिलाकर सीरीज बराबर कर दी। टेस्ट क्रिकेट में पिछले निराशाजनक सीजन के बाद, यह निस्संदेह भारतीय क्रिकेट प्रेमियो के लिए हाल के दिनो का सबसे खुशी का पल होगा। शुक्रिया, शुभमन और आपके खिलाड़ी।' गौर है कि सिराज गेंदबाजी विभाग में भारतीय टीम के लिए स्टार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे, जिन्होंने 9 पारियो में 23

विकेट अपने नाम किए। बुमराह की अनुपस्थिति में टीम के मुख्य तेज गेंदबाज के रूप में शानदार प्रदर्शन किया और अपनी टीम को बड़े विकेट दिलाने की जिम्मेदारी संभाली।

## लेट्स प्ले गेम में नीता का किरदार निभाना बड़ी चुनौती थी

अभिनेत्री युक्ति कपूर ने अपनी आगामी फिल्म लेट्स प्ले गेम में अपने किरदार को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि उनके किरदार नीता की भावनात्मक दोहरी प्रकृति (एक ही समय में दो अलग-अलग प्रवृत्तियों के लोग) ने उन्हें इस भूमिका की ओर आकर्षित किया। अभिनेत्री ने बताया कि इस किरदार को निभाना उनके लिए बतौर कलाकार एक बड़ी चुनौती थी, साथ ही एक सुनहरा मौका भी था, क्योंकि इस रोल में उन्हें कई तरह की भावनाओं को एक साथ जीने का मौका मिला।

युक्ति ने नीता के किरदार को लेकर कहा, नीता एक बहुत ही शांत स्वभाव की महिला है, जो बाहर से बहुत शालीन और नियंत्रित दिखाई देती है, लेकिन उसके अंदर बहुत कुछ चल रहा होता है। वह खुद को दुनिया के सामने मजबूत और सहज दिखाती है। वह अपने दर्द को बखूबी छुपा लेती है, और यही उसकी ताकत है। मुझे इस किरदार की भावनात्मक दोहरी प्रकृति ने आकर्षित किया, वह एक साथ कमजोर और शक्तिशाली है। फिल्म में ताश के खेल से जुड़े दृश्यों की तैयारी के बारे में युक्ति ने बताया, सेट पर ताश खेलना मुझे मेरे परिवार के साथ दिवाली की रातों की याद दिलाता था। बचपन में हम सभी बिना किसी गंभीरता के ताश खेलते थे, लेकिन इस किरदार के लिए मुझे खेल को गहराई से समझना पड़ा। उन्होंने आगे कहा, शूटिंग के दौरान ब्रेक में हम सब साथ में ताश खेलते थे। यह हमारी कास्ट के लिए एक बंधन का जरिया बन गया। इसने हमारी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को भी बेहतर बनाया। मैंने ताश इतनी अच्छी तरह सीख लिया कि इस दिवाली अगर मैं अपने परिवार या दोस्तों के साथ खेलूंगी, तो शायद मैं जीत जाऊंगी। फिल्म लेट्स प्ले गेम में अक्षित सुखीजा, डॉली चावला, कंगना शर्मा, एमी एला और रिब्बू मेहरा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म पांच शीर्ष खिलाड़ियों की कहानी है, जिनके रहस्य खेल के तीव्र होने के साथ सामने आते हैं। यह फिल्म 12 अगस्त 2025 से हंगामा ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। हाल ही में युक्ति पति पत्नी और पड़ोसन नामक क्राइम थ्रिलर में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने प्रतिभा का किरदार निभाया था।

# अलग-अलग इंडस्ट्री में काम करके मुझे एक नया नजरिया मिला

**अपूर्वा अरोड़ा ने 13 साल की उम्र में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। अब तक वह हिंदी, पंजाबी, कन्नड़ और गुजराती फिल्मों में काम कर चुकी हैं बातचीत में उन्होंने अपने शुरुआती दिनों की चुनौतियों के बारे में बताया। साथ ही यह भी साझा किया कि आने वाले समय में वह किन-किन प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी।**

**आपने चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर करियर की शुरुआत की और अब लीड एक्ट्रेस के तौर पर काम कर रही हैं। यह सफर कैसा रहा?**

सच कहूं तो मैंने कभी ये सोचा नहीं था कि चाइल्ड आर्टिस्ट के बाद मैं एक दिन लीड एक्ट्रेस बनूंगी। जब मैंने शुरुआत की थी, तब फिल्मों के बारे में मुझे ज्यादा समझ नहीं थी। बस उस वक्त मैं हर चीज को एंजॉय करती थी। जैसे सुबह जल्दी उठकर सेट पर जाना, मेकअप करवाना, स्क्रिप्ट मिलना और फिर शूट करना। उस समय ये भी दिमाग में चलता था कि क्या मुझे एक्टिंग को करियर के तौर पर आगे जारी रखना है या नहीं। लेकिन धीरे-धीरे जब समझ आई और अनुभव बढ़ा, तब एहसास हुआ कि यही मेरा पैशन है और मुझे एक्टिंग ही करनी है। अब जब पीछे मुड़कर देखती हूं, तो खुशी होती है कि मैंने सही फैसला लिया। ये सफर बहुत कुछ सिखाने वाला रहा है।

**आपने कन्नड़, पंजाबी, हिंदी और गुजराती सिनेमा में काम किया है। आपने अपने करियर को किस तरह दिशा दी?**

सच कहूं तो मैंने अपने करियर को कोई खास दिशा देने की कोशिश नहीं की। मैं बस काम करती गई और रास्ते में लोग मिलते गए, मौके मिलते गए, और चीजें होती चली गईं। शुरुआत में मेरी सोच ये थी कि किसी भी काम को बिना कोशिश किए मना नहीं करना है। मेरी डिक्शनरी में ना कहना बहुत कम था। हां, जब मैं थोड़ी बड़ी हुई, तब कुछ प्रोजेक्ट्स को जरूर मना किया। लेकिन वो भी सोच-समझकर। मेरे लिए ये हमेशा जरूरी रहा कि अगर कोई मौका मिल रहा है, तो मैं उसे हाथ से जाने न दूं, क्योंकि मेरे पास ज्यादा विकल्प नहीं थे। कोई मेरे पास आकर खुद से नहीं कहेगा कि इस प्रोजेक्ट में काम करो, हम तुम्हारे लिए पैसा लगाएंगे। जो सबसे अच्छी बात रही वो ये है कि मुझे अलग-अलग भाषाओं और इंडस्ट्रीज में काम करने का मौका मिला। हर भाषा, हर इंडस्ट्री एक नया अनुभव और नई सीख लेकर आई। अलग-अलग कल्चर को समझने और अपनाने का मौका मिला। यही मेरा असली ग्रोथ रहा है। सीखते हुए आगे बढ़ना।

### किन-किन प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं?

एक पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म आने वाली है। इसके अलावा कई प्रोजेक्ट्स ऐसे हैं, जिनकी शूटिंग पूरी हो चुकी है लेकिन वे अभी रिलीज नहीं हुए हैं। जैसे कि एक शो है अनरियल, जो काफी अच्छा होने वाला है। इसी साल एक और फिल्म खामोश नजर आते हैं रिलीज होगी। इसके अलावा ओ मेरी नाम की एक फिल्म भी आएगी।

### कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में मी टू मूवमेंट के बाद क्या कुछ बदलाव देखने को मिले हैं?

सच कहूं तो मी टू मूवमेंट के बाद मैंने कन्नड़ इंडस्ट्री में काम नहीं किया है। ये मेरी कोई प्लानिंग नहीं थी, बल्कि मुझे कोई ऐसा प्रोजेक्ट नहीं मिला। हालांकि, जब मैं वहां काम कर रही थी, तब माहौल काफी सुरक्षित और प्रोफेशनल था। मेरा आखिरी प्रोजेक्ट भी एक अच्छे अनुभव के साथ खत्म हुआ। उस दौरान मैंने कई फीमेल आर्टिस्ट्स की कहानियां सुनीं, जहां उन्होंने अपने अनुभव शेयर किए कि कैसे उन्हें हैरेसमेंट का सामना करना पड़ा। मुझे उम्मीद है कि मी टू मूवमेंट के बाद इंडस्ट्री में जरूरी बदलाव हुए होंगे।

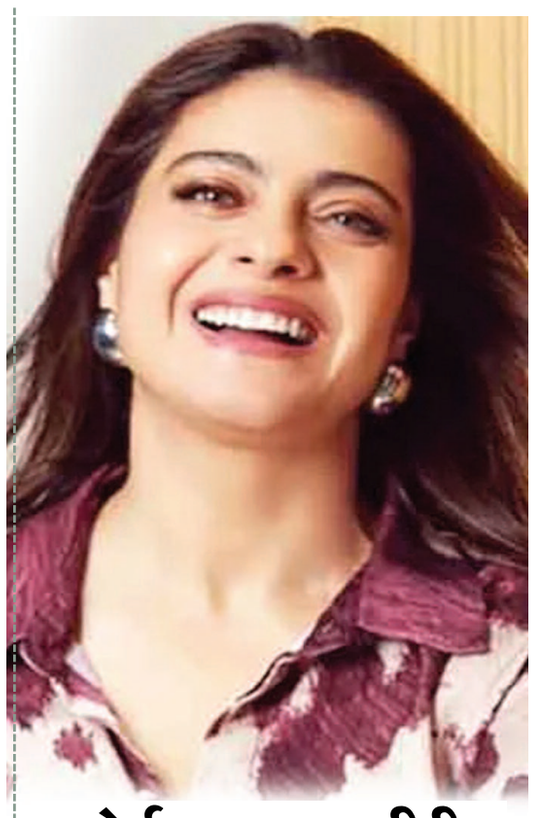

## कोर्टरूम ड्रामा सीरीज द ट्रायल 2 काजोल में फिर से नजर आएंगी

काजोल की वेब सीरीज द ट्रायल को काफी पसंद किया गया था। इसमें उनके काम को भी खूब सराहा गया। 14 जुलाई 2023 को जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई इस सीरीज के जरिए एक्ट्रेस ने ओटीटी की दुनिया में कदम रखा था। अब करीब 2 साल बाद द ट्रायल के सीक्वल की अनाउंसमेंट हो गई है, जिसके निर्देशन की कमान उमेश बिष्ट ने संभाली है। काजोल एक बार फिर नयोनिका सेनगुप्ता बनकर लौट रही हैं। पहले सीजन में नयोनिका एक ऐसी महिला के रूप में सामने आई थीं, जिसने अपने पति के लिए अपना वकालत करियर छोड़ दिया था लेकिन जब वही पति एक स्कैम में फंस गया और उसकी सच्चाई सामने आई, तब नोयोनिका को न सिर्फ अपने करियर बल्कि अपनी खुद्दारी के लिए भी लड़ना पड़ा। ये सिर्फ कानूनी लड़ाई नहीं थी, बल्कि आत्मसम्मान, रिश्तों और वफादारी की भी परीक्षा थी। बता दें कि द ट्रायल 2 की रिलीज डेट से भी परदा उठ गया है। ये सीरीज 19 सितंबर को रिलीज होगी। मेकर्स ने इसका वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। पहले सीजन की तरह ही, इस बार भी कहानी कोर्टरूम और निजी जीवन के टकराव के इर्द-गिर्द घूमेगी। काजोल की ये वेब सीरीज 19 सितंबर को रिलीज होगी ।

# सूरज बड़जात्या ने सलमान के साथ फिल्म पर दिया बड़ा अपडेट

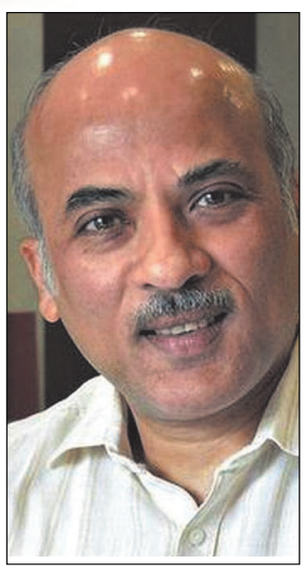

बॉलीवुड की सबसे चहेती एक्टर-डायरेक्टर की जोड़ियों में से एक सलमान खान और सूरज बड़जात्या एक बार फिर साथ आने को तैयार हैं। 90 के दशक से लेकर अब तक इस जोड़ी ने दर्शकों को 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ साथ हैं' और 'प्रेम रतन धन पायो' जैसी पारिवारिक फिल्मों के जरिए खूब एंटरटेन किया है। लंबे समय के इंतजार के बाद अब ये जोड़ी एक नए पारिवारिक ड्रामा और लवस्टोरी के साथ वापसी कर रही है।

### सूरज बड़जात्या ने फिल्म पर की बात

सूरज बड़जात्या ने जूम के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में जानकारी दी कि वो इस फिल्म के जरिए एक बार फिर वही पारिवारिक माहौल, सादगी और छोटे-छोटे पलों में छिपी खुशियों को दिखाने की कोशिश करेंगे, जो उनकी फिल्मों की पहचान रही हैं। उनका मानना है कि दर्शक आज भी ऐसी कहानियों से जुड़ते हैं जो दिल से कही गई हों और जिनमें रिश्तों की गर्माहट हो। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि सलमान खान के लिए फिल्म लिखना इस बार एक चुनौती है क्योंकि वो चाहते हैं कि उनका किरदार उसी मस्तीभरे अंदाज में हो, लेकिन उम्र के अनुसार थोड़ा परिपक्व भी दिखे। इंटरव्यू में सूरज ने बताया है कि फिल्म की आधिकारिक घोषणा नवंबर में की जाएगी।

### फिल्म की स्टारकास्ट

इस फिल्म को एक रोमांटिक फैमिली ड्रामा बताया जा रहा है, जो राजश्री प्रोडक्शन की बाकी फिल्मों की ही तरह होगी। हालांकि अभी फिल्म में कौन काम करेगा, उनके नामों का खुलासा नहीं किया गया है। सूरज बड़जात्या ने बस इतना कहा कि ये फिल्म दर्शकों को एक ऐसा अनुभव देगी, जिसमें रिश्ते, प्रेम और पारिवारिक मूल्यों की झलक मिलेगी।

# प्री-प्रोडक्शन फेज में है नैचुरल स्टार नानी की फिल्म ब्लडी रोमियो

साउथ के नैचुरल स्टार नानी जल्द ही एक नई एक्शन ड्रामा फिल्म ब्लडी रोमियो में नजर आएंगे। इसका निर्देशन साहो फेम सुजीत कर रहे हैं। यह फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन फेज में है और अगले साल रिलीज होनी है। नानी फिलहाल श्रीकांत ओडेला की एक और एक्शन ड्रामा फिल्म द पैराडाइज की शूटिंग कर रहे हैं, वह भी अगले साल गर्मियों में रिलीज होगी। वहीं सुजीत अभी पवन कल्याण की फिल्म ह्न के पोस्ट-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। OG की रिलीज के बाद वे इस प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करेंगे। फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है और अब कास्ट और तकनीकी टीम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। नानी खुद इस फिल्म की तैयारियों पर नजर बनाए हुए हैं। श्याम सिंघा रॉय के प्रोड्यूसर वेंकट बोयनापल्ली इस फिल्म को निहारिका एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म की शूटिंग फरवरी 2026 से शुरू होने की संभावना है। साथ ही नानी ने ये संकेत दिए हैं कि कार्थिक सुब्बराज के साथ भी उनकी एक फिल्म की चर्चा चल रही है।

# तन्वी: द... का विषय ऑटिज्म पर है

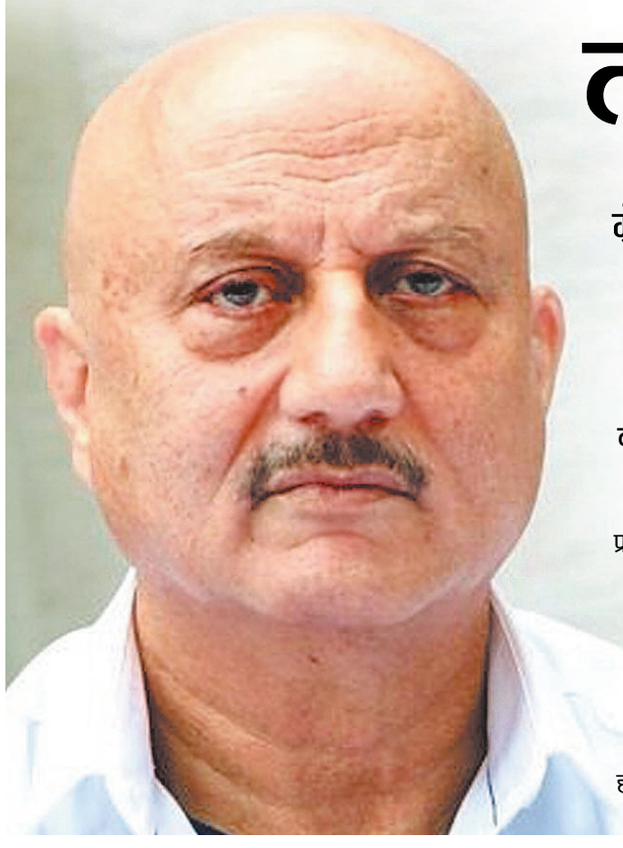

**अनुपम खेर की फिल्म तन्वी: द ग्रेट ऑटिज़्म और सपनों को लेकर एक संवेदनशील कहानी है, जिसे उन्होंने निर्देशित भी किया है। उन्होंने फिल्म पर प्रतिक्रिया और करियर के अनुभव साझा किए...**

**क्या फिल्म को लेकर दर्शकों की प्रतिक्रिया उम्मीद से बढ़कर रही?**

बिल्कुल। दर्शकों से इतनी गहराई से जुड़ी प्रतिक्रियाएं पहले कभी नहीं मिलीं। एक 65 साल की महिला ने इसे अपनी जिंदगी की सबसे बेहतरीन फिल्म बताया। दिल्ली के डीएवी स्कूल जैसे संस्थान इसे छात्रों को दिखा रहे हैं। यह सिर्फ फिल्म नहीं, एक अनुभव बन गई है।

**समाज में विशेष बच्चों को लेकर संवेदनशीलता की कमी क्यों है?**

हमें किसी एक घटना से पूरे समाज का आकलन नहीं करना चाहिए। कुछ मामलों में मानसिक बीमारी या असहायता हो सकती है। लेकिन अब जागरूकता बढ़ रही है और तन्वी जैसी फिल्में इसी दिशा में बड़ा योगदान दे रही हैं।

**सिनेमा क्या लोगों की सोच बदल सकता है?**

सिनेमा सिर्फ पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि समाज को प्रभावित करने की ताकत भी है। एक सच्ची और प्रेरणादायक कहानी दर्शकों के जेहन में रह जाती है और सोच में बदलाव लाती है। यह एक ऐसी बेटी की कहानी है जो अपने पिता के सपने को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

**इस फिल्म की ओटीटी रिलीज को लेकर क्या स्थिति है?**

हमारे डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी और एक्सेल एंटरटेनमेंट इस पर काम कर रहे हैं। जैसे ही डील फाइनल होगी, फिल्म ओटीटी पर स्ट्रीम होगी।

**बतौर निर्देशक अगली फिल्म किस विषय पर होगी?**

मेरे पास कुछ अलग-अलग कहानियां हैं जिन पर काम कर रहा हूं। पहले अभिनेता के तौर पर अपने रुके हुए प्रोजेक्ट पूरे करूंगा, फिर अगली डायरेक्शन शुरू करूंगा। निर्देशन में मुझे बहुत आनंद आया। तन्वी: द ग्रेट ने भीतर तक झकझोरा है। फिल्म की स्कूलों में स्क्रीनिंग हो रही। इसे पैसे से नहीं तौल सकते।

**अब तक की बायोपिक्स में सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार कौन-सा रहा?**

डॉ. मनमोहन सिंह का किरदार सबसे कठिन था। लोग उन्हें रोज टीवी पर देखते हैं, तो एक सीमित दायरे में रहकर गहराई दिखाना आसान नहीं था। इस रोल पर मैंने करीब 8-9 महीने काम किया। बाकी जो किरदार मैंने निभाए हैं, वे आज के दौर में इतने प्रचलित नहीं हैं, जैसे जयप्रकाश नारायण जी का किरदार। अभी मैं एक और किरदार पर काम कर रहा हूं जिसके बारे में जल्दी ही सभी को पता चलेगा।

**इसे तारे जमीन पर जैसी शैली में क्यों नहीं दिखाया?**

यह कहानी किसी सोच-समझ के तहत नहीं, बल्कि दिल से निकली है। यह सिर्फ ऑटिज्म नहीं, बल्कि पिता-बेटी के रिश्ते, मां के संघर्ष, दादा के सपनों और भारतीय सेना की मदद से एक बच्ची की उड़ान की कहानी है। इसमें संगीत और भावना दोनों हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।